RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 149 ● भिलाई, बुधवार 17 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बाल-बाल बचे अनिल विज, काफिले के बीच घुसकर सीधे मंत्री की कार को मारी टक्कर

अंबाला। हरियाणा के परिवहन एवं बिजली मंत्री अनिल विज एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। पड़ाव क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक वाहन ने उनके सुरक्षा काफिले का घेरा तोड़ते हुए सीधे मंत्री की कार को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, मंत्री अनिल विज के वाहन के आगे और पीछे सुरक्षा काफिले की गाड़ियां चल रही थीं। इसी दौरान अचानक एक काले रंग की कार तेज रफ्तार में काफिले के बीच घुस आई और मंत्री की गाड़ी से टकरा गई। टक्कर इतनी अचानक थी कि कुछ देर के लिए मौके पर हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में मंत्री अनिल विज को कोई चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। टक्कर होते ही काफिले में तैनात पुलिसकर्मी और कमांडो तुरंत सतर्क हो गए और संदिग्ध वाहन को चारों ओर से घेर लिया गया।

शादी से 2 घंटे पहले अपने एक्स बॉयफ्रेंड से मिलने पहुंची दुल्हन

नई दिल्ली । पहला प्यार अक्सर इंसान के दिल में इस कदर बस जाता है कि वक्त बीत जाने के बाद भी उसकी यादें पीछा नहीं छोड़तीं। ऐसा ही एक भावनात्मक मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां शादी से ठीक दो घंटे पहले एक दुल्हन अपने अतीत के रिश्ते (पूर्व बॉयफ्रेंड) से आखिरी बार मिलने निकल पड़ी। रस्मों और जिम्मेदारियों में बंधने से पहले वह अपने पहले प्यार से आमने-सामने होकर दिल का बोझ हल्का करना चाहती थी। इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। खबर लिखे जाने तक वीडियो को 3.18 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि हजारों यूजर्स इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे चुके हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि दुल्हन पूरे शादी के जोड़े में है और उसके साथ उसका एक दोस्त मौजूद है। दोनों कार से एक तय स्थान पर पहुंचते हैं। रास्ते में लड़की फोन पर अपने पूर्व प्रेमी से बातचीत करती नजर आती है और मिलने की जगह बताती है।

एनसीआर में वायु प्रदूषण चरम पर, सांस लेना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण का संकट लगातार गहराता जा रहा है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बेहद खराब से लेकर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और सुबह के समय घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी भी न के बराबर रह गई है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मॉनिटरिंग स्टेशनों के अनुसार दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 500 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। रोहिणी और वजीरपुर जैसे इलाकों में एक्यूआई सीधे 500 रिकॉर्ड किया गया।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र

जल जीवन मिशन में धांधली पर कौशिक ने सरकार को घेरा.....

■ घपला करने वालों को बचाया क्यों जा रहा...

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आज तीसरे दिन भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने जल जीवन मिशन में करोड़ों की धांधली होने का आरोप लगाते हुए अपनी ही सरकार को घेरा। कौशिक ने सवाल उठाया कि कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर घपला करने वाले अफसरों को बचाया क्यों जा रहा है? प्रश्नकाल में धरमलाल कौशिक का सवाल था कि बिल्हा विधानसभा क्षेत्रांतर्गत 25 नवम्बर 2025 तक की स्थिति में जल जीवन मिशन के तहत कराये जा रहे ग्रामवार कुल कितने कार्य लक्ष्य के विरूद्ध पूर्ण, अपूर्ण व अप्रारंभ हैं? अपूर्ण/अप्रारंभ कार्यों को कब तक पूर्ण किया जावेगा? इन कार्यों पर कितनी राशि का भुगतान किया गया व कितना भुगतान शेष है? राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (शीर्ष समिति) उच्च पावर समिति की अनुशंसा पर 1 फर्म पर एफआईआर किन आरोप व अनियमितता के आधार पर की गई तथा अन्य फर्मों पर एफआईआर नहीं करने के क्या कारण हैं? निविदा स्वीकृत करने के समय उक्त फर्मों के दस्तावेजों की जांच किन-किन अधिकारियों द्वारा की गई और उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई? इन संस्थाओं को 17 फरवरी 2025 के बाद कितना-कितना भुगतान किया गया है और किनकी अनुमति से किया गया? उप मुख्यमंत्री (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी) अरूण साव की ओर से जवाब आया कि बिल्हा विधानसभा क्षेत्रांतर्गत 25 नवम्बर 2025 की स्थिति में जल जीवन मिशन के तहत कराये जा रहे 199 ग्रामों में 211 कार्य लक्षित हैं। इसके विरुद्ध 92 कार्य पूर्ण तथा 119 कार्य अपूर्ण हैं। अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने की निश्चित समयावधि बताया जाना संभव नहीं है। इन कार्यों हेतु रू. 11315.34 लाख राशि का भुगतान किया गया है व 316.94 लाख का भुगतान शेष है। राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (शीर्ष समिति) उच्च पॉवर समिति व्दारा 17 फरवरी 2025 की बैठक में की गई अनुशंसानुसार तथा कूटरचित अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के कारण 1 फर्म मेसर्स विजय वी. सालुंखे पर एफआईआर की गई। अन्य 6 फर्मों मेसर्स ए.के. कंस्ट्रक्शन, मेसर्स विक्रम टेली इन्फ्रा, मेसर्स, श्री गणपती कंस्ट्रक्शन, मेसर्स आनंद कंस्ट्रक्शन रायपुर, मेसर्स धर्मेश कुमार रायपुर एवं मेसर्स सोमबंसी इनवायरो के व्दारा मेसर्स विजय वी. सालुंखे के व्दारा प्रस्तुत कूटरचित अनुभव प्रमाण-पत्र का ही उपयोग जॉइंट वेंचर में किया गया है। अत: इनके विरुद्ध अनुबंध के प्रावधान अनुसार अनुबंध निरस्त किया गया। उच्च न्यायालय बिलासपुर में पारित निर्णय 27 नवम्बर 2025 के परिपालन में पुन: कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। निविदा स्वीकृत करने के समय सभी 07 फर्मों के दस्तावेजों की जांच खंड स्तर-कार्यपालन अभियन्ता, मंडल स्तर-अधीक्षण अभियंता, परिक्षेत्र स्तर-मुख्य अभियंता एवं तत्पश्चात मिशन संचालक कार्यालय स्तर पर जांच के पश्चात् अनुमोदन किया गया है।

चौपाटी डिसमेंटल पर हुए व्यय की वसूली अधिकारियों व कर्मचारियों से नहीं होगी...

रायपुर। विधानसभा में आज पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक राजेश मूणत के सवालों पर उप मुख्यमंत्री (नगरीय प्रशासन) अरुण साव का जवाब आया कि उच्च न्यायालय व्दारा पारित निर्णय के परिपालन में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड एवं मेसर्स गुरू हरकिशन हॉटल एवं रिसार्ट प्राइवेट लिमिटेड के मध्य किए गए आपसी समझौते के तहत वेंडिंग जोन की शिफ्टिंग की गई। अतएव चौपाटी के डिसमेंटल पर हुए व्यय की वसूली अधिकारियों व कर्मचारियों से नहीं की गई है। राजेश मूणत का लिखित में सवाल था कि क्या यह सत्य है कि शासन के आदेश 9 जुलाई 2024 के माध्यम से ओल्ड रायपुर स्मार्ट सिटी के कार्यों की जांच के लिए गठित समिति के प्रतिवेदन को तत्समय पदस्थ संचालक तथा वर्तमान संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास ने तथ्यों के परीक्षण का हवाला देकर लंबित कर दिया है तथा जान-बूझकर दोषी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है? उल्लेखित समिति की रिपोर्ट के आधार पर दोषी लोगों के विरूद्ध कब तक कार्यवाही होगी? क्या जिन अधिकारी तथा कर्मचारियों ने अपने पद का दुरूपयोग कर ग्रीन कारीडोर यूथ हब की जगह चौपाटी का निर्माण कराया है, उन पर कार्यवाही के साथ-साथ उक्त चौपाटी को तत्काल डिसमेंटल कर इस पर हुए व्यय की वसूली दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों से की जायेगी? उप मुख्यमंत्री (नगरीय प्रशासन) अरूण साव का लिखित में जवाब आया कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से 312 कार्यों की विस्तृत सूची 29 मई 2025 को प्राप्ति उपरांत समिति व्दारा 30 जून 2025 को तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रेषित कर दिया गया है।

सुशांत शुक्ला ने उठाया मामला

विधानसभा में फिर राशन कार्ड धांधली की गूंज.....

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज धांधली कर एपीएल राशन कार्ड को बीपीएल राशन कार्ड में बदल दिए जाने के मामले को भाजपा विधायक सुशांत सिंह ने फिर जमकर उठाया। अन्य भाजपा विधायकगण अजय चंद्राकर, धर्मजीत सिंह एवं धरमलाल कौशिक भी सुशांत शुक्ला के पक्ष में बोलते नजर आए। प्रश्नकाल में भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला का सवाल था कि क्या बिलासपुर जिला अंतर्गत वर्ष 2023 से नवम्बर 2025 की अवधि तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु एपीएल राशनकार्डधारियों को परिवर्तित कर बीपीएल राशनकार्ड जारी किया गया है? यदि हां तो कितने राशन कार्ड परिवर्तित किए गए हैं? क्या एपीएल राशन कार्ड से बीपीएल राशन कार्ड परिवर्तित करने के लिए हितग्राहियों से सहमति ली गई? यदि नहीं तो कारण बतावें, इस हेतु दोषी अधिकारियों पर क्या-क्या कार्यवाही की गई ?खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की ओर से जवाब आया कि इस पर हुई शिकायत की जाँच कराई गई है। प्राप्त जॉच रिपार्ट पर कार्यवाही विचाराधीन है। विधानसभा में पहले भी इस पर प्रश्न लगा था। जांच भी हुई थी। 19 में से 15 राशन कार्ड एपीएल से बीपीएल में परिवर्तित हुए थे। 4 बिना जानकारी के परिवर्तित हुए। यह बिलासपुर नगर निगम के जोन 4 से संबंधित मामला रहा है। जोन कमिश्नर की अनुशंसा पर ऐसा हुआ था।सुशांत शुक्ला ने कहा कि स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया गया

नयी दिल्ली। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने और नए विधेयक में राष्ट्रपिता का नाम नहीं होने के खिलाफ मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट खड़े होकर नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने हाथ में महात्मा गांधी का पोस्टर ले रखा था।

मुख्तार अब्बास नकवी का कांग्रेस पर तंज

भगवान राम के नाम को बर्दाश्त नहीं कर सकते..

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने एमजीएनआरईजीए को वीबी-जी राम जी योजना से प्रतिस्थापित किए जाने पर कांग्रेस की असहमति पर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नए नाम वीबी-जी राम जी का विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि वह इसमें भगवान राम का नाम शामिल किए जाने को स्वीकार नहीं कर सकती। नकवी ने कहा कि कांग्रेस दल की समस्या यह है कि विधेयक में भगवान राम का नाम क्यों शामिल किया गया...वे भगवान राम के नाम को शामिल किए जाने को बर्दाश्त नहीं कर सकते, इसीलिए वे इतना हंगामा कर रहे हैं।

मनरेगा में बदलाव को लेकर केंद्र पर बरसे कांग्रेस

राहुल गांधी बोले- यह महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को बदलने के लिए लाए जा रहे विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह महात्मा गांधी के आदर्शों का सीधा अपमान है। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सरकार एमजीएनआरईजीए के तहत ग्रामीण रोजगार योजना को रद्द करने की योजना बना रही है, जो ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान करती है। केंद्र सरकार विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी आरएएम जी) विधेयक, 2025 पेश करेगी, जिससे विपक्षी दलों में व्यापक आक्रोश फैल गया है। ङ्क पर एक लंबी पोस्ट में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो चीजों से गहरी नफरत है - महात्मा गांधी के विचार और गरीबों के अधिकार। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि एमजीएनरेगा महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। यह लाखों ग्रामीण भारतीयों के लिए जीवन रेखा साबित हुई है और कोविड-19 महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण आर्थिक सुरक्षा कवच के रूप में सामने आई है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार एमजीएन आरईजीए को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

आम आदमी पार्टी की जनहित नीति जमीन पर लागू, वार्ड नंबर 12 बड़िंग में कोहली का जनसंवाद

जालंधर। आम आदमी पार्टी की जनहित, पारदर्शिता और सीधा जनसंवाद स्थापित करने की नीति के अनुरूप जालंधर सेंट्रल के हलका इंचार्ज नितिन कोहली ने वार्ड नंबर 12, बड़िंग में एक व्यापक और प्रभावशाली जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस जनसंवाद में स्थानीय निवासियों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। उन्होंने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न बुनियादी समस्याओं को खुलकर नितिन कोहली के समक्ष रखा।

चुनाव हारने के बाद गलत धारणाएं फैला रही कांग्रेस

जेपी नड्डा बोले-बिहार की जनता ने एसआईआर पर लगाई मुहर....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने मंगलवार को चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि चुनाव हारने के बाद पार्टी गलत फहमियां फैला रही है। चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान संसद के उच्च सदन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि विपक्ष मतदाता सूचियों में घुसपैठियों का सवाल उठाते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन का विरोध नहीं कर रहा है। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए जेपी नड्डा ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज की निगरानी की जिम्मेदारी एक ही परिवार द्वारा नियंत्रित एक ही पार्टी पर है। नड्डा ने कहा कि चुनाव परिणाम जो आए हैं, उनसे आपको (कांग्रेस को) अवश्य ही परेशानी होगी। आप कहीं और दवा लगा रहे हैं, जबकि असली समस्या कहीं और है। आपको अपनी असली समस्या ढूंढनी होगी। सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए आप यह गलत धारणा फैला रहे हैं कि हम चुनाव इसलिए हार रहे हैं क्योंकि चुनाव आयोग गड़बड़ी कर रहा है। मुझे लगता है कि ऐसा करके आप अपने दल के हित के लिए देश के हित से समझौता कर रहे हैं। उन्होंने सदन को बताया कि एक बात स्पष्ट है: विपक्ष स्वयं एसआईआर के खिलाफ नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में रहने दिया जाना चाहिए। सूचियों की पूरी तरह और निष्पक्ष रूप से सफाई होनी चाहिए।

यमुना एक्सप्रेसवे पर कोहरे के कारण बड़ा हादसा

गाड़ियों की टक्कर में 13 लोगों की जलकर मौत,कई घायल

नई दिल्ली/ एजेंसी

कम विजिबिलिटी के कारण मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे माइलस्टोन 127 पर आठ बसों और तीन कारों की टक्कर हो गई, जिसमें तेरह लोगों की मौत हो गई और आग लग गई। 25 लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उत्तर प्रदेश में दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण हुए एक भयानक चेन एक्सीडेंट में 13 लोगों की मौत हो गई और लगभग 75 अन्य घायल हो गए, जब मंगलवार तड़के आठ बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं और उनमें आग लग गई। यह हादसा यमुना एक्सप्रेसवे के आगरा-नोएडा कैरिजवे पर हुआ, जहां घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी बहुत कम हो गई थी। गाड़ियां एक के बाद एक टकराती गईं, जिससे एक बड़ी आग लग गई जिसने कुछ ही मिनटों में बसों और कारों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे यात्रियों को बचने का बहुत कम समय मिला। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि सभी गाड़ियों में लगभग तुरंत आग लग गई, जिससे यात्री अंदर फंस गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीदों ने बताया कि जैसे ही आग एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में तेज़ी से फैली, अराजकता का माहौल था। रिपोर्ट के अनुसार, यात्रियों ने बचने की कोशिश की और मदद के लिए चीख-पुकार मच गई। हादसे के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस टीमें और एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाई, जबकि बचाव टीमों ने बचे हुए लोगों को बाहर निकाला और घायलों को पास के अस्पतालों में पहुंचाया। लगभग 25

लोगों को इलाज के लिए मथुरा और पड़ोसी जिलों के अस्पतालों में ले जाया गया। कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में लोगों की मौत बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये का मुआवज़ा दिया जाएगा, जबकि घायलों को 50,000 रुपये मिलेंगे। एक्सप्रेसवे के प्रभावित हिस्से पर ट्रैफिक घंटों तक रुका रहा क्योंकि इमरजेंसी टीमों ने मलबा हटाया। घने कोहरे की स्थिति में दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है यह हादसा तब हुआ जब सोमवार सुबह उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा और धुंध छाई हुई थी, जिससे शहरों में विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी। आगरा घने कोहरे की चादर में लिपटा रहा, जिससे ताजमहल कई घंटों तक दिखाई नहीं दिया। वाराणसी, प्रयागराज, मैनपुरी और मुरादाबाद से भी ऐसी ही खबरें आईं, जहां खराब विजिबिलिटी के कारण यात्रियों को अपनी गाड़ियों की स्पीड कम करनी पड़ी।

हादसे पर सीएम योगी ने भी जताया दु:ख

हादसे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख व्यक्त किया. उन्होंने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में लिखा कि मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे में जान गंवाना बहुत दुखद और दिल दहला देने वाला है. मेरी गहरी संवेदनाएं दुखी परिवारों के साथ हैं. मैंने ज़िला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का सही इलाज पक्का करने का निर्देश दिया है. मैं भगवान राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायल जल्दी ठीक हों. हादसे में मरने वाले परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये देने की घोषणा भी की गई है.

पंडरिया में प्रभु पार्श्वनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न

कवर्धा। पंडरिया नगर स्थित जैन मंदिर में 23वें तीर्थंकर प्रभु श्री पार्श्वनाथ के जन्मकल्याणक महोत्सव का आयोजन जैन समाज द्वारा भव्यता एवं श्रद्धाभाव से किया गया। इस पावन अवसर पर पंडरिया सहित मुंगेली, कवर्धा, दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी शामिल हुए। महोत्सव की शुरुआत प्रातः 6 बजे भक्ताम्बर पाठ, गुरु इकतीसा एवं पूजन-पाठ से हुई। रायपुर से पधारी चाँदनी बोहरा के सान्निध्य में जन्मकल्याणक पूजन संपन्न हुआ, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात प्रभु परमात्मा का भव्य वरघोड़ा नगर भ्रमण पर निकला, जिसमें पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों की सहभागिता रही। जुलूस के दौरान नगरवासियों को प्रसादी का वितरण किया गया। रात्रिकालीन भक्ति संध्या में राजनांदगांव से पधारे भजन गायक विकास बाफना ने भक्तिमय भजनों से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख पदाधिकारियों एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रभु जन्म के अवसर पर माता को आए चौदह स्वप्नों की बोलियों एवं महाआरती में समाजजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। समस्त कार्यक्रमों का सुव्यवस्थित संचालन ट्रस्ट कमेटी, युवा साथियों एवं महिला मंडल के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में खरतरगच्छ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष हरीश जैन ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सरायपाली। स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ संध्या भोई के निर्देशन में, विभाग अध्यक्ष शब्या पटेल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के उपलक्ष में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बी.ई.ई) द्वारा इस दिवस का आयोजन ऊर्जा दक्षता और संरक्षण में भारत की उपलब्धि को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर अपने कल को सुरक्षित करने के लिए ऊर्जा बचाने का हम सभी को संकल्प लेना चाहिए। विभाग अध्यक्ष शब्या पटेल ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने के उददेश्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, ऊर्जा के प्रकार एवं जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया। ऊर्जा संरक्षण से प्राकृतिक संतुलन बना रहता है तथा यह ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः हम ऊर्जा का विवेक पूर्ण उपयोग करें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। विद्यार्थियों में ऊर्जा संरक्षण जागरूकता बढ़ाने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षक अनिल गुप्ता, अक्षय कुमार साहू एमएससी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पीतांबर बाघ एवं आभार प्रदर्शन अक्षय कुमार साहू ने किया।

18 दिसंबर को बाबा गुरु घासीदास जयंती पर मद्य निषेध दिवस आयोजन

गरियाबंद । कलेक्टर बीएस उइके ने सर्व जिला कार्यालय प्रमुख, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कहा है कि जिले में 18 दिसंबर को बाबा गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर मद्य निषेध दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने-अपने विभाग एवं कार्यालय स्तर पर आयोजित किया जाना है। जिला प्रशासन द्वारा समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, महिला एवं बाल विकास, जनसंपर्क, पंचायत, आबकारी, नगरीय प्रशासन तथा विकास विभाग सहित अन्य विभागों के समन्वय से विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। मद्य निषेध दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर भारत माता वाहिनी के सहयोग से वृहद नशामुक्ति रैली निकाली जाएगी तथा नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही रेडियो एवं दूरदर्शन के माध्यम से नशा मुक्ति संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा और संबंधित विभागों के सहयोग से नशापान के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत नशा पीड़ितों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उन्हें नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी, नशामुक्ति संबंधी साहित्य का वितरण किया जाएगा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेरक स्लोगन, संदेश एवं चित्रों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नशा एवं एड्स से प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, वहीं विद्यार्थियों में नशापान के प्रति चेतना जाग्रत करने के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

योग प्रशिक्षण शिविर योग भवन में शुरू

महासमुंद। योग प्रशिक्षण शिविर (35वां वर्ष) दिव्य जीवन संघ, शिवानंद योग मित्र मंडल, शिवानंद मातृशक्ति समिति द्वारा 13 से 22 दिसम्बर तक आयोजित है। शिविर स्वामी शिवानंद सरस्वती योग भवन कचहरी चौक महासमुंद में होगा। इस 10 दिवसीय योग शिविर में योगाभ्यासी प्रशिक्षणार्थियों को आसन, प्राणायाम, ध्यान, योग निद्रा व षटकर्म की क्रिया स्वामी द्वारा करवाया जा रहा हैं, दीर्घशंख प्रज्ञालन एवं जलनेती, कुंजल की क्रियाएं रविवार 21 दिसम्बर को कौंदकेरा जंगल में हठयोग की क्रियाएँ दीर्घशंख प्रक्षालन, जल नेति एवं कुंजल का अभ्यास होगा। दीर्घशंख प्रक्षालन की क्रिया महत्वपूर्ण है, जो स्वामी के निर्देशन में किया जाता है, जो संपूर्ण शरीर के शुद्धिकरण का अभ्यास है। योगाभ्यास का समय पुरुष वर्ग/महिला वर्ग संयुक्त समय प्रातः 5.30 बजे से 7 बजे एवं सायं 7.00 से 8.30 बजे, महिला वर्ग बच्चों का दोपहर 4.00 बजे से 5 बजे तक रहेगा। प्रतिदिन रोगोपचार के लिए प्रातः 7 से 8 तक समय निर्धारित किया गया है, जिसमें स्वामी द्वारा रोग उपचार के लिए आसन बता रहे।

अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, पुरुषोत्तम अध्यक्ष राजेंद्र सचिव बने

सरायपाली। अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण समारोह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनीता डहरिया तथा प्रधान न्यायाधीश कुटुब न्यायालय प्रफुल्ल सोनवानी के आतिथ्य एवं प्रथम अपर जिला न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन के अध्यक्षता एवं जिले के न्यायाधीशों के उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तथा अधिवक्ता संघ महासमुंद एवं बसना के अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर माननीय न्यायाधीशों द्वारा आम जनता को सस्ता सुलभ एवं शीघ्र न्याय मिले इस दिशा में पहल करने हेतु अधिवक्ता संघ को मार्गदर्शन दिया गया तथा अधिवक्ता गण को अधिवक्ता संघ के संविधान अनुरूप कार्य करने की सलाह दी गई। अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में पुरुषोत्तम पटेल, उपाध्यक्ष भूपेंद्र भाई, कनिष्ठ उपाध्यक्ष मीनाक्षी साहू, सचिव राजेंद्र दास, कोषाध्यक्ष गजानंद स्वाई, सह सचिव अक्षय साहू, क्रीड़ा सचिव विदित धनानिया, मीडिया प्रभारी पुरुषोत्तम चौधरी एवं कार्यकारणी के रूप में दीपक प्रधान, सौरभ शेखर बारीक, वनस्वरूप सेन, प्रवीण देवांगन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अधिवक्ता संघ द्वारा समस्त अतिथियो का सम्मान करते हुए मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में क्षेत्र के समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता, न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जांच चौकी रेहटीखोल क्षेत्र में एक ट्रक 694 बोरा धान जप्त, अवैध धान परिवहन पर हुई कार्यवाही

सरायपाली। जिले में अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सरायपाली विकासखंड अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुपमा आनंद के नेतृत्व में बीती रात संयुक्त टीम द्वारा रेहटीखोल क्षेत्र में 694 बोरा धान जप्त किया गया। संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान एक ट्रक को रोका गया, जिसमें उड़ीसा से छत्तीसगढ़ की ओर बिना वैध दस्तावेजों के धान का परिवहन किया जा रहा था। जांच में ट्रक में कुल 694 बोरा धान, जिसका कुल वजन लगभग 319 क्विंटल पाया गया। परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर धान से भरे ट्रक को मौके पर ही जब्त किया गया। जब्त किए गए धान एवं वाहन को आगे की वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना सिंघोड़ा के सुपुर्द किया गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए धान परिवहन एवं भंडारण पर सतत निगरानी जारी रहेगी।

फोन पे पर भुगतान न कर, भुगतान करने की स्क्रीनशॉट दिखाकर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- **आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी किये गये आईफोन 16 सहित घटना में प्रयुक्त वाहन, आईफोन 14, जुमला कीमती 2,72,535/- रूपये जप्त कर किया गया बरामद**

बेमेतरा। फोन पे पर भुगतान न कर, भुगतान करने की स्क्रीनशॉट दिखाकर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया और आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी किये गये आई फोन 16 सहित घटना में प्रयुक्त वाहन, आई फोन 14, जुमला कीमती 2,72,535/- रूपये जप्त कर बरामद प्रार्थी राजेन्द्र कुमार मिश्रा उम्र 56 वर्ष साकिन वार्ड 21 कुर्मीपारा बेमेतरा ने 15.09.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 14.09.2025 को सुबह करीबन 11:20 बजे मेरा नया बस स्टैण्ड बेमेतरा के शुभम मोबाईल दुकान में एक अज्ञात व्यक्ति आया और दुकान के कर्मचारी को आई फोन सेकेण्ड हैड चाहिये बोलने पर दो नग आई फोन दिखाया सौदा तय नहीं होने पर, आई फोन 16 पिंक कलर का सेट दिखाया, उस अज्ञात व्यक्ति ने उक्त आई फोन 'को 70,000/- रू. में खरीदने का सौदा किया और उस अज्ञात व्यक्ति ने 70,000/- रू. को दुकान के फोन पे पर ट्रांसफर कर रहा हूँ बोल कर 70,000/- रू. भुगतान होना बताकर स्कीन शार्ट दिखाया। चेक किया तो उक्त रकम मेरे एकाउंट में नही आया था। अज्ञात व्यक्ति ने आई फोन 16 कीमती 72,535/- रू. को रूपये दिये बिना, छलकर लेकर भाग गया है कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 318(4), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी आफरीदी खान से पुछताछ करने पर पता चला कि अपने साथी ओमप्रकाश साहू के साथ शुभम मोबाईल दुकान बेमेतरा से मोबाईल आई फोन 16 को बिना पैसा दिये अपने बुलेट क्रमांक सीजी 04 एल वाई 4810 में अपने गांव भागना एवं उक्त फोन को रायपुर के मोबाईल दुकान में बदली कर आई फोन 14 लेना। प्रकरण के प्रार्थी के मोबाईल आई फोन 16 कीमती 72,535/- रू. एवं आरोपी आफरीदी खान से घटना में प्रयुक्त बुलेट क्रमांक सीजी 04 एल वाई 4810, कीमती 1,50,000/- रूपये, मोबाईल आई फोन 14, कीमती 50,000/- रूपये, कुल जुमला 2,72,535/- रूपये को जप्त कर कब्जा कर बरामद किया गया है। आरोपी आफरीदी खान पिता अमजद खान उम्र 20 वर्ष साकिन धौराभाठा थाना धमधा जिला दुर्ग हाल गोविंद नगर राजा तलाब के पास रायपुर थाना सिविल लाईन रायपुर जिला रायपुर, ओमप्रकाश साहू पिता संतोष साहू उम्र 20 वर्ष साकिन धौराभाठा थाना धमधा जिला दुर्ग को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक संजय पाटिल, खुशाल बोरकर, मुकेश माहिरे, संतोष धीवर, पंचराम घोरबंधे सहित थाना बेमेतरा/सायबर सेल के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील गाली-गलौज करने की विडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- **सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील, गाली-गलौज या अपमानजनक टिप्पणी करना एक कानूनी अपराध**

बेमेतरा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील गाली-गलौज करने की विडियो वायरल करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील, गाली-गलौज या अपमानजनक टिप्पणी करना एक कानूनी अपराध है। प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि एक आईडी धारक द्वारा सोशल मिडिया प्लेटफार्म में अश्लील गाली-गलौज करने की विडियो वायरल किया गया है जिस संबंध में कार्यवाही चाहने एक लिखित आवेदन पर अपराध सदर धारा 296 (बी) भारतीय न्याय संहिता, 67 आईटी एक्ट का अपराध घटित होना पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश कुमार झा के साथ थाना प्रभारी चंदनू व स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। प्रकरण में विवेचना के दौरान धारा 299 बीएनएस एवं धारा 3(2) (वीए) एससी/एसटी एक्ट जोडी गयी है। सोशल मिडिया प्लेटफार्म में अश्लील गाली-गलौज करने की विडियो वायरल करने वाला सोशल मीडिया प्लेटफार्म आईडी का धारक दुर्गेश निषाद को पकड़ा गया। आरोपी के पास से घटना में उपयोग किये गये मोबाईल को जप्त किया गया। आरोपी दुर्गेश निषाद पिता शंकर निषाद उम्र 25 वर्ष, निवासी मुठपुरा, थाना चंदनू जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, थाना प्रभारी चंदनू उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद देशलहरे, प्रधान आरक्षक रघुनाथ नेताम, सुखेलाल बंजारे, आरक्षक सुनील साहू, निरंजन वैष्णव, भुषण राजपूत, हीरालाल साहू, धाकचंद बंजारे, राजतिलक हिरवानी, रूपेन्द्र राजपूत सहित थाना चंदनू के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। सोशल मीडिया पर अश्लील, अपमानजनक टिप्पणी, गाली-गलौज, धमकी भरा संदेश या किसी की छवि खराब करने वाली पोस्ट कानूनन दंडनीय अपराध है।

किसानों को ट्रैक्टर खरीदी हेतु अनुदान राशि एवं युवाओं को रोजगार के संबंध में भी पूछा प्रश्न

विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में पंडरिया के वनांचल क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति का उठाया मुद्दा

पंडरिया। 14 दिसंबर से छत्तीसगढ़ के नवीन विधानसभा में भवन में शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई। सत्र के दूसरे दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनहित, किसान व युवाओं को रोजगार के संबंध में महत्वपूर्ण विषयों के बारे में प्रश्न किया। इस दौरान उन्होंने पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में विद्युत विहीन ग्रामों, युवाओं के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण एवं रोजगार और किसानों को ट्रैक्टर खरीदी हेतु अनुदान राशि के आवंटन का प्रश्न किया। पंडरिया विधानसभा के विकास और जनता की प्रमुख मांगों एवं सुविधाओं के लिए क्षेत्र एवं विधानसभा में लगातार भावना बोहरा सक्रीय रहती हैं और मुखरता से विषयों को सदन के समक्ष रखती हैं ताकि जनता की समस्याओं का समाधान त्वरित एवं प्रभावी रूप से हो सके। भावना बोहरा प्रश्न किया कि पंडरिया विधानसभा अंतर्गत वनांचल क्षेत्र के ग्राम तीनगडडा, पकरीपानी, माराडबरा, अंजवाइनवाह, सरहापथरा, अमीधा, जखनाडीह, छिन्दीडीह, सेजाडीह में विद्युत आपूर्ति किस माध्यम से की जा रही है? इन ग्रामों में विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतू क्रेडा विभाग (सोलर ऑफ़ ग्रिड ऑन ग्रिड सिस्टम) या विद्युत विभाग द्वारा क्या कोई विशेष योजना या कार्ययोजना तैयार की गई है? तो उसकी अद्यतन स्थिति एवं पूर्ण क्रियान्वयन की संभावित समय-सीमा क्या तय की गई है? के विषय में जानकारी मांगी। जिसके लिखित प्रतिउत्तर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि पण्डरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल क्षेत्र अंतर्गत उल्लेखित गाँव सघन वन क्षेत्र में होने के कारण आफग्रिड सोलर होम लाईट के माध्यम से विद्युतीकृत है। इन ग्रामों में विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु क्रेडा विभाग (सोलर ऑफ ग्रिड / ऑन ग्रिड सिस्टम) या विद्युत वितरण कंपनी (परापंरागत ग्रिड) द्वारा वर्तमान में कोई विशेष कार्ययोजना तैयार नहीं की गई है। भावना बोहरा ने प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार के लिए प्रश्न किया कि देश में कौशल विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य की वर्तमान रैंकिंग क्या है? राज्य में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना तथा सीएसएसडीए सहित अन्य कौशल विकास कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति एवं उपलब्धियाँ क्या हैं? विगत तीन वित्तीय वर्षों में प्रशिक्षित युवाओं की संख्या एवं रोजगार/प्लेसमेंट प्राप्त युवाओं की संख्या क्या है? कौशल विकास अवसंरचना, पाठ्यक्रम गुणवत्ता तथा निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए विभाग द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे है? राज्य में संचालित आईटीआई, पीएमकेके एवं निजी वीटीपी केंद्रों की उपलब्ध क्षमता वर्तमान मांग के अनुरूप है या नहीं? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश में कौशल विकास के क्षेत्र में राज्यों की रैंकिंग का निर्धारण नहीं किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत वर्तमान में कौशल विकास कार्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान स्थिति (वित्तीय वर्ष 2025-26) में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना केन्द्र शासन को 6000 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य प्रेषित किया गया है। जिस पर केन्द्र शासन से स्वीकृति अपेक्षित है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना प्रशिक्षण लक्ष्य 23085 के विरुद्ध 13,481 प्रशिक्षण उपलब्धि (6588 प्रशिक्षित एवं 6893 युवा प्रशिक्षणरत) है। विगत तीन वित्तीय वर्षों (वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25) में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रदेश में कुल 3326 युवा एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रदेश में कुल 14633 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और 9981 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। कौशल विकास अवसंरचना, पाठ्यक्रम गुणवत्ता तथा निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए विभाग द्वारा राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क आधारित कोर्स में प्रशिक्षण, एनएसक्यूएफ कोर्स के अनुरूप निर्धारित अधोसंरचना की उपलब्धता के आधार पर आवेदित संस्था का वीटीपी पंजीयन, प्रशिक्षणार्थियों एवं प्रशिक्षको की फेस आधारित बायोमेट्रिक डिवाईस के माध्यम से ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज की जाती है, प्रशिक्षण के दौरान जिला स्तर पर सहायक संचालक, कौशल विकास द्वारा भौतिक रूप से सतत निरीक्षण, जिला स्तर पर सीसीटीवी के माध्यम से प्रशिक्षण की निगरानी की जाती है। उपलब्ध समस्त 342 केंद्र (वीटीपी) सक्रिय हैं। प्रशिक्षण हेतु कोई भी केंद्र गैर सक्रिय/संसाधनहीन नहीं है। भावना बोहरा ने कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए प्रश्न करते हुए पूछा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में 25 नवम्बर 2025 तक में कबीरधाम जिले में ट्रैक्टर अनुदान योजना के तहत कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं? प्राप्त आवेदनों में से कितने पात्र पाए गये तथा उनमें से कितने पात्र लाभार्थियों को कितनी अनुदान राशि जारी कर दी गई है? विकासखण्डवार जानकारी देवें? क्या कबीरधाम जिले में ट्रैक्टर अनुदान वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त हुई हैं? यदि हाँ, तो कुल कितनी शिकायतें प्राप्त हुई? प्राप्त शिकायतों के विरुद्ध विभाग द्वारा क्या कार्यवाही की गई? विगत तीन वित्तीय वर्षों में कबीरधाम जिले में ट्रैक्टर अनुदान योजना हेतु कितना बजट स्वीकृत किया गया था तथा उसमें से कितना वास्तविक व्यय हुआ? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि उक्त अवधि में कबीरधाम जिले में कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन योजनांतर्गत वर्ष 2024-25 में कुल 1131 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 70 किसानों को कुल 350.32 लाख रुपए अनुदान राशि का भुगतान किया गया है। वहीं 2025-26 में ट्रैक्टर पर अनुदान हेतु कुल 1643 हितग्राहियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें 77 किसानों को कुल 394.46 लाख रुपए अनुदान राशि का भुगतान किया गया है। कबीरधाम जिले में ट्रैक्टर अनुदान वितरण में अनियमितताओं के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन योजनांतर्गत कंपोनेंट क्रमांक-1 कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु जिलेवार बजट आबंटित नहीं किया जाता अपितु चैम्प्स प्रणाली में पंजीकृत प्रदायक से सामग्री क्रय किये जाने के उपरांत प्रदायक द्वारा प्रस्तुत देयक के आधार पर राशि का भुगतान छ.ग. राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लि. द्वारा प्रदायक को किया जाता है तथा अनुदान राशि की प्रतिपूर्ति संचालनालय कृषि द्वारा की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस नेत्री के बेटे पर युवती ने लगाया दुराचार का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मामला

रायपुर। एक 22 वर्षीय युवती की शिकायत पर पुलिस ने कांग्रेस की एक नेत्री के 25 वर्षीय बेटे हेमंत चंद्रा के खिलाफ दुराचार (त्ंचम) का मामला दर्ज किया है। हेमंत चंद्रा सक्ती जिले के जैजैपुर के निवासी हैं और एक पेट्रोल पंप संचालक हैं। युवती का आरोप है कि हेमंत ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। यह दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से शुरू हुई थी और समय के साथ प्यार में बदल गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हेमंत कई सालों तक परिवार को मनाने के बाद शादी का आश्वासन देता रहा, लेकिन अब वह शादी से मुकर गया है। इसके अलावा, हेमंत चंद्रा अब किसी अन्य युवती से शादी करने की तैयारी में है। घायल और मानसिक रूप से परेशान पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफ्आईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसा में मानिकपुर खदान कर्मी की मौत, साथी घायल

रायपुर। जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में मानिकपुर खदान में कार्यरत एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी मामूली रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत तरदा मुख्य मार्ग पर हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा स्थित बुढ़ना गांव निवासी 23 वर्षीय रवि शंकर यादव अपने एक साथी के साथ मानिकपुर खदान से काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। तरदा के पास सड़क किनारे खड़े एक ब्रेकडाउन हाईवे वाहन से उनकी बाइक जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक वाहन के पहिए के नीचे आ गए और मौके पर ही बेहोश हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को तत्काल कोरबा जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने रवि शंकर यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसके साथी को मामूली चोटें आईं, जिसका उपचार जारी है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल युवक ने पुलिस को बताया कि वह बाइक चला रहा था और रवि शंकर पीछे बैठा हुआ था। सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार से बचने के प्रयास में संतुलन बिगड़ गया, जिससे बाइक सड़क पर खड़े वाहन से टकरा गई। बताया गया कि रवि शंकर यादव मानिकपुर खदान में एक निजी कंपनी में ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। मृतक के पिता मिंझ राम ने बताया कि रवि शंकर उनके दो बेटों में सबसे बड़ा था और परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। बेटे की मौत की सूचना मिलने पर वे तुरंत जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

कांकेर में सराफा व्यापारी से 29 लाख की चोरी, बस में रखा बैग लेकर फरार हुए बदमाश

रायपुर। जिले में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। यहां एक सराफ व्यापारी से 29 लाख रुपये नकद की उठाईगिरी हो गई। व्यापारी जगदलपुर से रायपुर जा रही एक निजी बस में सफर कर रहा था, इसी दौरान बदमाशों ने नकदी से भरा बैग चुरा लिया। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित व्यापारी का नाम मोतीलाल जैन है, जो जगदलपुर का निवासी है। वह रविवार सुबह मनीष ट्रैवल्स की बस से रायपुर के लिए रवाना हुआ था।

लाल किले में गूंजा छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया

छत्तीसगढ़ के गेड़ी नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन को यूनेस्को ने सराहा

- 180 देशों के प्रतिनिधियों ने किया छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का अभिवादन
- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत प्रभावित हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का नारा दिया

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ राज्य के बिलासपुर जिले की सांस्कृतिक संस्था 'लोक श्रृंगार भारती' के गेड़ी लोक नृत्य दल द्वारा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) व संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के आमंत्रण पर नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। 7 से 13 दिसम्बर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समारोह में 180 देशों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहीं। समारोह में बिलासपुर के गेड़ी नर्तक दल ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को काफी सराहा गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस गेडी नर्तक दल को बधाई और शुभकामनाएं दीं है समारोह का ऐतिहासिक क्षण तब आया जब भारत के महापर्व दीपावली को यूनेस्को द्वारा विश्व सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इस उपलब्धि में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल की प्रस्तुति को विशेष सराहना मिली गेड़ी नृत्य की भावपूर्ण और साहसिक प्रस्तुति से केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत प्रभावित हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य

गायक एवं नृत्य निर्देशक अनिल गढ़ेवाल के कुशल नेतृत्व में गेड़ी नृत्य दल ने अपने सशक्त, ऊर्जावान एवं रोमांचक प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, विभिन्न राज्यों के कलाकारों सहित 180 देशों के डेलिगेट्स उपस्थित रहे। यूनेस्को के महानिदेशक डॉ. खालिद एन. एनानी सहित 180 देशों के प्रतिनिधियों ने गेड़ी नृत्य दल के साथ स्मृति चित्र लिए मुख्य गायक अनिल गढ़ेवाल द्वारा प्रस्तुत काट ले हरियर बांसे गीत ने विदेशी प्रतिनिधियों के मन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति गहरी जिज्ञासा उत्पन्न की। वहीं मुख्य मांदल वादक मोहन डोंगरे द्वारा एक ही स्थान पर घूमते हुए मांदल वादन किया। हारमोनियम वादक सौखी लाल कोसले एवं बांसुरी वादक महेश नवरंग की स्वर लहरियों पर विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधि झूम उठे। गेड़ी नर्तकों प्रभात बंजारे, सूरज खांडे, शुभम भार्गव, लक्ष्मी नारायण माण्डले, फूलचंद ओगरे एवं मनोज माण्डले ने साहसिक करतबों से दर्शकों को रोमांचित किया। विशेष रूप से तब, जब एक गेड़ी पर संतुलन बनाते हुए कलाकारों ने मानवीय संरचनाएं बनाईं, पूरा प्रांगण तालियों से गूंज उठा। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा, कौड़ियों व चीनी मिट्टी की मालाएं, पटसन वस्त्र, सिकबंध एवं मयूर पंख धारण कर प्रस्तुत भाव नृत्य ने प्रस्तुति को और भी आकर्षक बना दिया। यूनेस्को के महानिदेशक डॉ. खालिद एन. एनानी सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने गेड़ी नृत्य दल के साथ स्मृति चित्र लिया व छत्तीसगढ़ राज्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक पहचान दिलाने के लिए शुभकामनाएं दी।

जिले में एक गांव बनेगा मॉडल सोलर विलेज......

रायपुर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत जिले में एक ग्राम को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। जिला स्तरीय चयन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर रोहित व्यास के नेतृत्व में गांव के चयन की प्रक्रिया औपचारिक तौर पर प्रारंभ हो गई है। भारत सरकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निर्देशों के अनुसार अब नवीन जनगणना के आधार पर ऐसे राजस्व ग्रामों का चयन किया जाना आवश्यक है जिनकी आबादी 5,000 से अधिक हो। जिले में 5,000 से अधिक आबादी वाले ग्रामों की संख्या 10 से कम होने के कारण जिला स्तरीय समिति द्वारा जिले के प्रथम 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्रामों के मध्य छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। इस प्रक्रिया के आधार पर ही अंतिम मॉडल सोलर विलेज का चयन किया जाएगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार जिस ग्राम में सरकारी अथवा गैर-सरकारी माध्यमों से सर्वाधिक सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित होगी, उसे मॉडल सोलर विलेज के रूप में प्राथमिकता दी जाएगी। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने जिले के 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्राम बटईकेला, सन्ना, कांसाबेल, पण्ड्रापाठ, लुड़ेग, कामारिमा, घोघर, तपकरा, दुलदुला और फरसाबहार को प्रतिस्पर्धा हेतु सूचीबद्ध किया गया है। इन ग्रामों में सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और मूल्यांकन के लिए छह माह की अवधि निर्धारित की गई है। चयनित ग्राम के विकास हेतु 2 करोड़ रुपये की डी.पी.आर. तैयार कर 15 मार्च 2026 तक ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को भेजा जाएगा।

लोकसभा में सांसद ने उठाया एक्सपायर दवाओं के गलत निपटान का मुद्दा.........

- लोकसभा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की बुलंद आवाज़ कांकेर की घटना ने फार्मास्यूटिकल वेस्ट मैनेजमेंट पर देशभर में जगाई चिंता

रायपुर/ संवाददाता

जनहित के मुद्दों पर निर्भीक और संवेदनशील आवाज़ उठाने वाले सांसद बृजमोहन ने लोकसभा में कांकेर जिले के एक सब-हेल्थ सेंटर में हुई गंभीर लापरवाही की घटना को मजबूती से उठाकर पूरे देश का ध्यान फार्मास्यूटिकल वेस्ट मैनेजमेंट जैसी अत्यंत संवेदनशील समस्या की ओर आकृष्ट किया है। सांसद अग्रवाल ने सदन को अवगत कराया कि कांकेर के सब-हेल्थ सेंटर में एक्सपायर हो चुकी दवाओं को जलाए जाने से निकला जहरीला धुआं पास के स्कूल के कक्षाओं तक फैल गया, जिससे कई मासूम बच्चों को चक्कर आने और सांस लेने में तकलीफ जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए एक चेतावनी भी है कि गलत वेस्ट मैनेजमेंट किस तरह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को खतरे में डाल सकता है।लोकसभा में बोलते हुए अग्रवाल ने कहा कि देश के कई हिस्सों में एक्सपायर दवाओं को सीवेज सिस्टम, खेती की जमीन या खुले गड्ढों में फेंक दिया जाता है, जिससे जहरीले रसायन मिट्टी और भूजल को प्रदूषित कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह प्रवृत्ति भविष्य की पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार से ष्टष्टस्ष्ठ की गाइडलाइंस और बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के तहत पूरे देश में सख्त और स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने यह भी जोर दिया कि सभी संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को दवाओं के सुरक्षित निपटान के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाए।

पीएम आवास योजना से जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव ला रही है। इसी योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग की ग्राम पंचायत नगपुरा निवासी श्री पवन कुमार विश्वकर्मा के जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। श्री पवन कुमार विश्वकर्मा को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत कुल 1.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। यह राशि उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तीन किश्तों में समय पर प्रदान की गई, जिसमें प्रथम किश्त 40,000 रुपये, द्वितीय किश्त 60,000 रुपये तथा तृतीय किश्त 20,000 रुपये शामिल है। योजना का लाभ मिलने से पूर्व श्री विश्वकर्मा अपने परिवार के साथ कच्चे एवं जर्जर आवास में निवास कर रहे थे, जहां वर्षा, ग्रीष्म एवं शीत ऋतु में उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।वर्तमान में उनका परिवार सुरक्षित, स्वच्छ एवं सम्मानजनक आवासीय वातावरण में रह रहा है। आवास निर्माण के साथ-साथ अभिसरण के माध्यम से श्री विश्वकर्मा को विभिन्न अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिला है। इनमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, दीनदयाल ज्योति योजना के अंतर्गत विद्युत कनेक्शन, मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी, एनआरएलएम समूह से लाभ, जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल कनेक्शन तथा सोख्ता गड्ढा निर्माण शामिल है। इन सुविधाओं से उनके परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। श्री पवन कुमार विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा और परिवर्तन का सशक्त माध्यम है, जिसने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है।

भाजपा की सरकार दो साल में ही अलोकप्रिय हो गयी-दीपक बैज...

- 2 साल में साय सरकार ने प्रदेश के हर वर्ग को निराश किया

रायपुर। संवाददाता

साय सरकार ने अपने 2 साल के कार्यकाल में जनता का भरोसा खो दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार के खिलाफ चौतरफा आक्रोश है। मोदी की गारंटी के नाम पर जनता का मत हासिल किया। 2 साल में एक भी मोदी की गारंटी पूरा नहीं किया। सरकार से प्रदेश का हर वर्ग नाराज है। किसान नाराज है, युवा नाराज है, सरकारी भर्तियां बंद है, जो भर्तियां हुई है उसमें भ्रष्टाचार किया गया। फारेस्ट आरक्षक भर्ती, पुलिस आरक्षक भर्ती, आरआई भर्ती सभी जगह आरक्षक भ्रष्टाचार हो रहा। आदिवासियों, किसानों की जमीने जबरिया उद्योगों और खदानों के लिये अधिग्रहित की जा रही है। विरोध करने पर लाठियां चलाई जा रही है, महिलाएं निराश है, महतारी वंदन के नाम पर उनसे धोखा दिया गया। प्रदेश में 1.25 लाख से अधिक विवाहित महिलाएं है, महतारी वंदन की राशि 67 लाख महिलाओं को दे रहे है। कर्मचारी नाराज है, सरकार ने उनको भी धोखा दिया। अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का वादा पूरा नहीं किया। बिजली के दाम बढ़ाने, भूमि के गाइडलाइन के रेट बढ़ाने 5 डिसमिल से कम जमीनों की रजिस्ट्री बंद करने से जनता नाराज है। कोई ऐसा वर्ग नहीं जो सरकार के 2 साल के कार्यकाल से खुश हो। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के 2 साल में छत्तीसगढ़ की जनता को निराश किया है। साय सरकार की उपलब्धि के नाम पर पिछली सरकार की योजनायें बंद करना मात्र है।

घर बैठे मिल रहा धान बेचने के लिए टोकन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेशभर में धान खरीदी प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निरंतर जारी है। जशपुर निवासी मुकेश कुमार भगत 10 दिसंबर को मनोरा धान खरीदी केन्द्र में अपना धान बेचने पहुंचे उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की धान खरीदी व्यवस्था देखकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि धान बेचने के लिए टोकन तुंहर हाथ ऐप के माध्यम से आनलाइन घर बैठे अपना टोकन कटाया था और आसानी से उन्हें टोकन मिल गया है। उन्होंने किसानों के लिए ऐप को अच्छी सुविधा बताया उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन कटाने के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं होती है। घर बैठे टोकन कटाकर आसानी से अपना धान बेच सकते हैं। किसानों के लिए अच्छी व्यस्था देखकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि खरीदी केन्द्र में किसानों की सुविधा के लिए केन्द्रों में टोकन कटाई, तौलाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों का भी सुदृढ़ प्रावधान किया गया है। किसानों के लिए केंद्र में साफ-सुथरे बोरे उपलब्ध हैं, समय पर तौलाई हो रही है और सुविधाएं पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा कि अब किसानों को घंटों लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है।

धान खरीदी के एवज में किसानों को 7 हजार 771 करोड़ रुपए का भुगतान

अब तक 17.24 लाख टोकन से 87 लाख टन धान की हो चुकी खरीदी

- इस वर्ष 7.5 प्रतिशत अधिक किसानों का 19 प्रतिशत अधिक का रकबा पंजीयन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर राज्य के पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का कार्य अनवरत रूप से जारी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में संचालित 2739 खरीदी केन्द्रों के माध्यम से धान की खरीदी सुगमता पूर्वक की जा रही है । धान की खरीदी के लिए 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है । राज्य के किसानों से सुगमता पूर्वक धान खरीदी के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है , वहीं अवैध धान परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। राज्य में किसानों से धान खरीदी हेतु समुचित व्यवस्था की गई है । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसान पंजीयन का कार्य एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टेक पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है । वर्तमान में धान की खरीदी हेतु 27.40 लाख किसानों के धान का रकबा 34.39 लाख हेक्टेयर का पंजीयन किया गया है । जबकि गत वर्ष 25.49 लाख किसानों द्वारा रकबा 28.76 लाख हेक्टेयर से समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया गया था । इस प्रकार गत वर्ष विक्रय गये किसानों की तुलना में इस वर्ष लगभग 7.5 प्रतिशत किसान एवं 19 प्रतिशत रकबा का पंजीयन अधिक हुआ है । संस्थागत पंजीयन, भूमिहीन किसान (अधिया /रेगहा), डूबान क्षेत्र के किसान, वन अधिकार पट्टाधारी किसान, ग्राम कोटवार (शासकीय पट्टेदार) श्रेणी के किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन से छूट प्रदान की गई है । किसान पंजीयन का कार्य वर्तमान में जारी है । मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों के हितों का ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने अब 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा तुहर टोकन एप्प में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में प्रदान कर दी है । वर्तमान में 17.24 लाख टोकन से 87 लाख टन धान खरीदी हेतु जारी किया जा चुका है । किसानों द्वारा आगामी 20

दिवस के टोकन प्राप्त किये जा सकते हैं । अधिकारियों ने बताया कि 11 दिसंबर 2025 की स्थिति में किसानों को धान खरीदी के एवज में 7 हजार 771 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान समर्थन मूल्य के तहत का किया जा चुका है । जिलों में विशेष चेकिंग दल का गठन राजस्व, खाद्य, सहकारिता, वन, मंडी आदि विभागों के अधिकारियों का गठन कर किया गया है । राज्य स्तर पर मार्कफेड अंतर्गत स्टेट इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है । अब तक प्रदेश में अवैध धान परिवहन/भण्डारण के 2000 से अधिक प्रकरण बनाये गये हैं, जिसमें अब तक 1.93 लाख टन अवैध धान जब्त किया गया है ।

धान खरीदी व्यवस्था से किसानों में बढ़ा उत्साह, सरल प्रक्रिया से मिल रहा सीधा लाभ

कबीरधाम जिले में धान खरीदी से किसानों में उत्साह देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल से पहले की तुलना में बेहतर और सुगम खरीदी व्यवस्था के कारण किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान उपार्जन कर पा रहे हैं। पंजीयन से लेकर तौल और भुगतान तक की प्रक्रिया सरल होने से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। यही व्यवस्था ग्राम खैरवार के किसान श्री फिरतू पात्रे के लिए सहारा बन गया है। पिता के स्वर्गवास के बाद श्री फिरतू पात्रे ने स्वयं खेती की जिम्मेदारी संभाली। उनके पास कुल 5.50 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे धान के साथ-साथ कुछ क्षेत्र में गन्ने की खेती भी करते हैं। इस वर्ष उन्होंने अपनी खेती से कुल 84.80 क्विंटल धान का विक्रय किया है। श्री फिरतू बताते हैं कि उनके पिता का निधन लगभग एक माह पूर्व हुआ था। अंतिम संस्कार और दशगात्र जैसे सामाजिक संस्कारों में काफी खर्च आया, जिसके लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ा। भावुक होते हुए वे बताते हैं कि पिता के साथ ही वे वर्षों से खेती का कार्य करते थे और उनकी स्मृतियाँ हमेशा उनके साथ रहेंगी। उन्होंने अपने पिता का अंतिम संस्कार पूरे सम्मान और परंपरा के साथ किया।

संपादकीय

आग से सुरक्षा के लिए इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है।गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है।खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है।किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी।निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने के जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है।सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! अव्वल तो समूचा ढांचा ऐसा तैयार होना चाहिए, जिसमें कोई सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बड़े हादसे में तब्दील न हो। दूसरे, किसी भी वजह से आग लगने की आशंका के मद्देनजर हर स्तर पर बचाव के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

भूख से युद्ध के साथ शिक्षा की लौ जलाता अक्षय पात्र

बहरहाल दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। महाभारत में एक कथा आती है..जुए में अपना सबकुछ हारने के बाद पांडव वनवास काट रहे हैं..उसी दौरान वे सूर्य की उपासना करते हैं..सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को एक पात्र देते हैं..उस पात्र की विशेषता है कि उसमें रखा भोजन कभी खत्म ही नहीं होता...वह सदा भरा ही रहता है।

(उमेश चतुर्वेदी)

अक्षय का अर्थ ही होता है, जिसका कभी क्षय ना हो, यानी जिसमें कभी कोई कमी ना हो..कहना न होगा कि इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है..भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू इस संकल्प ने चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर ली है।

अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन योजना को लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्यान्ह भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना की चुने हुए ब्लॉकों में शुरूआत की, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ । बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब पका हुआ खाना देना अनिवार्य कर दिया गया। अब इसका नाम प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम कर दिया गया है।

अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारूणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर ना हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है। उनके यहां भोजन के वक्त कोई भूखा नहीं रहता।

बहरहाल दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से यह फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है और आज स्थिति यह है कि अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी विद्यालयों के करीब चौबीस लाख बच्चों को रोजाना दोपहर का भोजन मुहैया करा रहा है। अक्षय पात्र का उद्देश्य भूख की वजह से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। शुरुआत में सीमित पैमाने पर काम करने के बाद, संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। आज यह भारत में सबसे बड़े मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों में से एक का संचालन करता है, जिसके दायरे में अब करीब चौथाई करोड़ बच्चे आ चुके हैं। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो चार अरब लोगों को अब तक भोजन मुहैया कराया जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी के करीब ढाई गुना ज्यादा लोगों को अब तक यह गैरलाभकारी संगठन खाना खिला चुका है। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। बहुत लोगों को जानकर हैरत होगी कि इनमें से 47 रसोईघरों को आईएसओ प्रमाण पत्र हासिल है। सरकारी स्कूलों में जारी मध्यान्ह भोजन योजना पर दो तरह के आरोप लगते रहे हैं। पहला भ्रष्टाचार का होता है, जबकि दूसरा परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर रहा है। कमोबेश ये शिकायतें अभी तक बनी हुई हैं। लेकिन अक्षय पात्र की ओर से जिन स्कूलों, आंगनबाड़ियों आदि में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, वहं ऐसी कोई शिकायत नहीं है। इसकी वजह यह है कि अक्षय पात्र सिर्फ सरकार से मिलने वाले चावल, दाल और गेहूं और दूसरी सहूलियतों पर ही निर्भर नहीं है। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से भी मिले सहयोग पर भी निर्भर है। दान में मिली रकम से अक्षय पात्र ने ना सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं । उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। भोजन को तैयार करने के लिए सैकड़ों लोग इन रसोईघरों में कार्यरत हैं। तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि अक्षय पात्र का भोजन ढोने वाले वाहन सचल रेफ्रिजरेटर हैं। यानी भोजन के खराब होने या बासी होने की कोई वजह नहीं है। भोजन में तेल, सब्जी, आटा, दाल, चावल, मसाले आदि जिस भी चीज का इस्तेमाल होता है, उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। इतना ही नहीं, भोजन का मेन्यू भी एक ही नहीं होता। बल्कि भोजन का मेन्यू रोजाना अलग-अलग होता है। अक्षय पात्र के एक प्रवक्ता कहते हैं कि हमारा उद्देश्य पौष्टिक और गुणवत्ता युक्त भोजन मुहैया कराकर स्कूली बच्चों की सेहत का ध्यान तो रखना ही है, उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता को निर्बाध रखना है। अध्ययन बताते हैं कि दोपहर का भोजन मिलने के बाद स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में गिरावट आई है। साल 2003 में अक्षय पात्र फाउंडेशन को मध्याह्न भोजन योजना का भागीदार बनाया गया । इसी साल पहली बार फाउंडेशन ने कर्नाटक सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद कर्नाटक के हुबली, मैसूर और मंगलुरु के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के वृंदावन और राजस्थान के जयपुर जैसे अन्य स्थानों पर भी और अधिक रसोइयां स्थापित की गईं। आज, यह संगठन भोजन परोसने के साथ सुनिश्चित करता है कि कक्षा में बैठने वाले प्रत्येक बच्चे को पर्याप्त पोषण मिले। अक्षय पात्र के भोजन की गुणवत्ता की ख्याति बढ़ती जा रही है। बिना प्याज लहसुन के बना अक्षय पात्र का भोजन ना सिर्फ सुस्वादु है, बल्कि पौष्टिक भी है। यही वजह है कि इसी साल अगस्त में रेल गाड़ियों और स्टेशनों पर भोजन आदि की व्यवस्था करने वाले रेलवे के आईआरसीसीटी के साथ अक्षय पात्र ने समझौता किया है। इसके तहत चुनिंदा स्टेशनों और रूटों पर रेल यात्रियों को अक्षय पात्र की थाली मिलने लगी है। अक्षय पात्र फाउंडेशन को उम्मीद है कि इसका विस्तार रेलवे में हो सकेगा। अक्षय पात्र की बढ़ती साख ही है कि इसी साल सितंबर में कानपुर में स्कूली बच्चों को भोजन अक्षय पात्र की ओर से मिलने लगा है। एक दिसंबर से मथुरा जिले के साढ़े आठ सौ से ज्यादा आंगनवाड़ियों को भी इसी के जरिए भोजन मिलना शुरू हो चुका है। अक्षय पात्र की भोजन की गुणवत्ता का ही असर है कि आज हर ताकतवर सियासी हस्ती चाहती है कि उसके इलाके के स्कूलों में भी अक्षय पात्र भोजन मुहैया कराए। लेकिन अक्षय पात्र की भी सीमा है। इस कार्य से उसे कोई मुनाफा नहीं कमाना है और ना ही उसे ऐसा कोई फायदा मिलता है। अक्षय पात्र से जुड़े एक शख्स का कहना है कि अगर दानदाता आगे आते रहे तो दूसरे इलाकों में भी उनका संगठन स्कूली और आंगनवाड़ी के बच्चों को भी भोजन मुहैया कराएगा। बस जरूरत है कि इस महत्वपूर्ण समाज कार्य में सहयोगी के तौर पर और भी दान दाता आगे आएं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत ने पिला दिया है अमेरिका को पानी, मोलतोल में छूट गए हैं पसीने, सामने आई अंदर की बात

(अमित शुक्ला)

भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में अनुचित फायदा देने को तैयार नहीं है। इसे अमेरिकी प्रतिनिधि 'अ टफ नट टू क्रैक' बता रहे हैं। वैश्विक अनाज आपूर्ति बढ़ने के बीच अमेरिका भारत को कृषि निर्यात के लिए एक बड़े बाजार के तौर पर देख रहा है। लेकिन, भारत के सख्त नियम एक चुनौती बने हुए हैं। भारत ने अमेरिका को पानी पिला दिया है। ट्रेड डील के लि?ए जारी बातचीत में वह अमेरिका को कोई अनुचित छूट देने को जरा भी तैयार नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने स?वीकार कर लिया है कि भारत को मोलतोल में तोड़ पाना आसान नहीं है। अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने भारत को 'अ टफ नट टू क्रैक' बताया है। यह मुहावरा किसी व्यक्ति, समस्या, या स्थिति के बारे में बताता है जिसे समझना, हल करना या संभालना बहुत कठिन या मुश्किल हो।

अमेरिका भारत को कृषि निर्यात बढ़ाने के चक?कर में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया भर में अनाज की सप्लाई बढ़ गई है। इससे भारत अमेरिकी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार बन सकता है। अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने सीनेट की एक सुनवाई में बताया कि उनकी टीम भारत में एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रही है। उन्होंने माना कि भारत के सख?त कृषि नियमों और कुछ खास चीजों जैसे मांस और डेयरी उत्पादों के आयात पर रोक लगाना एक चुनौती है। लेकिन, ग्रीर ने यह भी कहा कि भारत का रवैया बातचीत में काफी सकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक की सबसे अच्छी पेशकश की है। अमेरिका भारत को अपने लिए एक 'व्यवहार्य वैकल्पिक बाजार' मानता है। यह सब तब हो रहा है जब अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने दुनिया भर में अनाज की सप्लाई बढ़ने का अनुमान लगाया है। इससे निर्यातकों के बीच भारत जैसे बाजारों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। यूएसडीए की दिसंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025-26 में दुनिया भर में गेहूं की सप्लाई 1.10 अरब टन तक पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले अनुमान से 75 लाख टन ज?यादा है। कनाडा, अर्जेंटीना, यूरोपीय संघ (ईयू), ऑस्ट्रेलिया और रूस जैसे देशों में ज?यादा उत्पादन होने की वजह से यह बढ़ोतरी हुई है। कनाडा में उत्पादन 30 लाख टन बढ़कर 400 लाख टन होने का अनुमान है। सीनेट एप्रोप्रिएशन्स कमेटी की सुनवाई में सीनेटर जेरी मोरन के सवाल का जवाब देते हुए अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका भारत में जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा दल भारत में व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है।' यह बात एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। ग्रीर ने स्वीकार किया कि भारत के कृषि क्षेत्र में, खासकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में, घुसना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'भारत कुछ फसलों, मांस और डेयरी उत्पादों के आयात का विरोध करता है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि भारत को भेद पाना एक मुश्किल काम रहा है। इसके बावजूद ग्रीर ने बातचीत के भविष्य को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने भारत के हालिया रुख को असामान्य रूप से रचनात्मक बताया। उन्होंने कहा, भारत का रवैया काफी आगे बढ़कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, भारत की ओर की गई पेशकशें अब तक की सबसे अच्छी हैं जो अमेरिका को मिली हैं। उन्होंने भारत को एक व्यवहार्य वैकल्पिक बाजार भी कहा। इससे पता चलता है कि अमेरिका इस बातचीत को कितनी अहमियत दे रहा है। दुनिया भर में गेहूं की सप्लाई लगभग 1.10 अरब टन के करीब पहुंच गई है। ऐसे में अमेरिका भारत को अपने कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए एक बड़े बाजार के तौर पर देख रहा है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने भी ग?लोबल अनाज सप?लाई के अपने अनुमान को बढ़ाया है। इससे सप?लाई की चिंता कम हुई है। वहीं, भारत जैसे प्रमुख बाजारों के लिए निर्यातकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। यूएसडीए की दिसंबर की 'वर्ल्ड एग्रीकल्चरल सप्लाई एंड डिमांड एस्टिमेट्स' रिपोर्ट में 2025-26 के लिए ग?लोबल गेहूं सप?लाई का अनुमान 75 लाख टन बढ़ाकर लगभग 1.10 अरब टन कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी कई बड़े निर्यात देशों में ज?यादा उत्पादन के कारण हुई है। कनाडा में उत्पादन का अनुमान 30 लाख टन बढ़कर 400 लाख टन हो गया है, जो सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। इसके बाद अर्जेंटीना, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया और रूस का नंबर आता है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

हिंदू आस्था का मान रखने वाले जज के खिलाफ पूरे विपक्ष का एकजुट होना चिंताजनक मिसाल है

(नीरज कुमार दुबे)

तिरुप्परनकुंद्रम का दीपथूण विवाद केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला नहीं रह गया है; यह प्रशासनिक निष्पक्षता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रही राजनीति की वास्तविकता का आईना बन चुका है। हिंदू-बहुल भारत में आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हो गई है कि किसी हिंदू को अपने ही प्राचीन धर्मस्थल पर दीपक जलाने या पूजा करने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़े? यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हो गयी है कि न्यायालय पूजा की अनुमति दे दे तो सरकार उस अनुमति के क्रियान्वयन को ही रोक दे? यह स्थिति क्यों बन गयी है कि अदालत अनुमति दे दे तो कुछ राजनीतिक दल उस न्यायाधीश को ही पद से हटाने की मांग करने लगें जिसने हिंदुओं को अपने धर्म स्थल पर पूजा करने की अनुमति दी? क्या यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक दृश्य है? सवाल उठता है कि तुष्टिकरण की राजनीति की आड़ में हिंदू आस्था को बार-बार क्यों चोट पहुँचायी जाती है? क्या बहुसंख्यक धर्म की परंपराएँ केवल इसलिए संदेह के घेरे में हैं क्योंकि कुछ राजनीतिक दल अपने वोट बैंक की राजनीति को धर्म और इतिहास से ऊपर रख चुके हैं? और क्या अब न्यायपालिका तक को इस आधार पर निशाना बनाया जाएगा कि उसका निर्णय किसी समुदाय को राजनीतिक रूप से असुविधाजनक लगा? इन मूलभूत प्रश्नों के बीच तिरुप्परनकुंद्रम का दीपथूण विवाद केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला नहीं रह गया है; यह प्रशासनिक निष्पक्षता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रही राजनीति की वास्तविकता का आईना बन चुका है। हम आपको बता दें कि मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम में अरुलमिघु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर और उससे सटे 'दीपथूण' (पत्थर के दीप-स्तंभ) पर दीप प्रज्वलन को लेकर उठा विवाद लगातार कानूनी और राजनीतिक टकराव का रूप लेता जा रहा है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा 'दीपथूण' पर दीप जलाने की अनुमति देने के बाद राज्य सरकार ने न केवल इस आदेश को चुनौती दी बल्कि जिला प्रशासन ने भी पर्वत की तलहटी पर ही श्रद्धालुओं को रोक दिया। इस घटना ने न्यायपालिका और राज्य सरकार के बीच तनाव को सार्वजनिक रूप से उद्घाटित कर दिया। हम आपको बता दें कि 1 दिसंबर को न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने हिंदू तमिलर कच्ची के संस्थापक राम रविकुमार की याचिका पर आदेश देते हुए भक्तों को तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथूण पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। लेकिन 3 दिसंबर के कार्तिगई दीपम उत्सव के दिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया जिसके बाद रविकुमार ने अवमानना याचिका दायर की। उसी दिन न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने दस भक्तों को दीपथूण तक जाने और वहाँ दीप प्रज्वलित करने की अनुमति दी तथा उनकी सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ कवर प्रदान करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद पुलिस ने समूह को रोक दिया और राज्य सरकार ने अवमानना कार्यवाही से बचने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हम आपको बता दें कि इस मामले की जड़ें लगभग सौ वर्ष पुरानी हैं। तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी, जो भगवान मुरुगन के छह प्रमुख पवित्र स्थलों (अरुपडई वीड़कु) में से एक है, वहां पर स्थित मंदिर और एक दरगाह के बीच 1920 से ही स्वामित्व और धार्मिक अधिकारों को लेकर विवाद रहा है। उस समय सिविल कोर्ट और बाद में प्रिवी काउंसिल ने पहाड़ी को मंदिर सम्पत्ति घोषित किया था। किंतु दीप प्रज्वलन की परंपरा को लेकर न्यायालय ने 1996 में यह कहा था कि पारंपरिक स्थान मंदिर परिसर का उचिपिल्लैयार कोविल मंडपम है; हालांकि भविष्य में किसी वैकल्पिक स्थान पर दीप प्रज्वलन की अनुमति एचआरएण्डसीई विभाग द्वारा दी जा सकती है, बशर्ते वह दरगाह से दूर हो। इसके बाद भी दीपथूण को पारंपरिक स्थल बताकर कई याचिकाएँ दायर हुईं, जिन पर 2014 और 2017 में उच्च न्यायालय ने यह दोहराया था कि मंदिर प्रबंधन ही धार्मिक परंपराओं और स्थलों का निर्धारण करेगा। लेकिन इस वर्ष पुनः इस विवाद ने जोर पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया। राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील दायर कर दी है। वहीं 5 दिसंबर को खंडपीठ ने मंदिर प्रबंधन का पक्ष रखते हुए यह चेतावनी दी कि न्यायपालिका का अपमान करने वाली टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद 9 दिसंबर को अदालत ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) को 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का आदेश दिया, क्योंकि प्रशासन ने न्यायालय के पूर्व आदेशों का पालन नहीं किया। दूसरी ओर, यह विवाद इसी बीच संसद तक पहुँच गया है। कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी) और एआईएमआईएम से संबद्ध 107 विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति स्वामीनाथन को हटाने का प्रस्ताव सौंपा। आरोप लगाया गया कि न्यायाधीश ने एक विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होकर निर्णय दिए और निष्पक्षता व धर्मनिरपेक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा है। देखा जाये तो विपक्ष का यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक टकराव बन चुका है, क्योंकि इसे न्यायपालिका पर सीधे प्रहार के रूप में देखा जा रहा है। जिस प्रकार से विपक्षी दलों ने न्यायाधीश के निर्णय से असहमति को आधार बनाकर उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया, वह भारतीय लोकतंत्र में अभूतपूर्व और चिंताजनक मिसाल है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी का इतिहास केवल मंदिर-प्रशासन से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह हिंदू आस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है जहाँ सदियों से भक्तों की उपस्थिति रही है। 1920 के सिविल डिक्री और प्रिवी काउंसिल के निर्णय ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ी मंदिर की संपत्ति है तथा दरगाह उससे केवल कुछ सीमित हिस्सों में सम्बद्ध है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि दीपथूण पर दीप जलाना मंदिर-परिसर के भीतर ही धार्मिक अनुष्ठान का एक स्वाभाविक हिस्सा है। फिर भी, पिछले तीन दशकों में दीपथूण को लेकर विवाद गहराता गया और प्रशासन ने अक्सर सुरक्षा या साम्प्रदायिक संवेदनशीलता का हवाला देकर हिंदू परंपराओं को सीमित किया। यह वही मानसिकता है जो डीएमके और उसके सहयोगियों की राजनीति में बार-बार दिखाई देती है, जहाँ बहुसंख्यक आस्था को दबाकर तुष्टिकरण को राजनीतिक लाभ का साधन बना दिया जाता है। यह संयोग नहीं है कि वही दल, जिसके नेताओं ने अनेक बार सनातन धर्म को नष्ट करने योग्य कहा, वही आज दीपथूण में दीप जलाने का विरोध कर रहा है। यहाँ प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि अधिकारों का है। जब उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश मौजूद था कि भक्त दीपथूण पर दीप जला सकते हैं, तब राज्य सरकार द्वारा उसे लागू न करना न केवल न्यायालय की अवमानना है बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता का खुला हनन भी है। जिस प्रकार अदालत ने पुलिस और प्रशासन को फटकारते हुए कहा कि न्यायपालिका का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा, वह बताता है कि सरकार किस हद तक अपनी सीमाएँ भूल चुकी है। लेकिन इससे भी खतरनाक कदम था 107 विपक्षी सांसदों द्वारा न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव। यह केवल असहमति का मुद्दा नहीं, बल्कि न्यायपालिका को धमकाने का सीधा प्रयास है। दीप जलाना किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि एक परंपरा का निर्वाह है। इसे रोकना और फिर इसे अनुमति देने वाले न्यायाधीश को निशाना बनाना, दोनों ही लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत हैं। विपक्ष को चाहिए कि सनातन पर प्रहार और न्यायपालिका पर दबाव के जरिये भारत की अवधारणा को कमजोर नहीं करे। (लेखक के यह अपने विचार हैं)

बिहान से बदली तकदीर

मछली पालन से समृद्ध की राह पर फुलबती मरकाम

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के फरसगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत चुरेगांव की सरपंच एवं बिहान स्व-सहायता समूह की सचिव फुलबती मरकाम आज महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक सशक्त पहचान बन चुकी हैं। जिस परिवार की आर्थिक स्थिति कभी इतनी कमजोर थी कि बच्चों की पढ़ाई कराने में सक्षम नहीं हो पा रही थी, वे आज अपनी मेहनत, सरकारी योजनाओं के सहयोग से तरक्की की नई कहानी लिख रही है। फुलबती मरकाम वर्ष 2011 में स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। साधारण जीवन जी रही फुलबती जब वर्ष 2018 में समूह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी, तब उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। फुलबती बताती हैं कि बिहान से जुड़ने के बाद ही उन्हें ऋण, प्रशिक्षण और आजीविका के विभिन्न अवसरों की जानकारी मिली। इससे पहले

उनके लिए व्यवसाय और स्वरोजगार केवल सुनी-सुनाई बातें थीं। बिहान से जुड़ने के बाद फुलबती ने सबसे पहले 5 हजार रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया। इस राशि में से 2 हजार रुपये का उपयोग उन्होंने मछली बीज खरीदने में किया, जबकि शेष 3 हजार रुपये घरेलू आवश्यकताओं में खर्च किए। यह छोटा-सा निवेश उनके जीवन का सकारात्मक बदलाव साबित हुआ। मछली पालन से उन्हें करीब 20 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई, जिससे उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया। इसके बाद फुलबती ने 10 हजार रुपये का ऋण लिया और फिर धीरे-धीरे 1 लाख रुपये तक का ऋण लेकर अपने व्यवसाय को विस्तार देना शुरू किया। निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के चलते उनकी आय बढ़ती गई। एक समय ऐसा भी आया जब उनकी कुल आमदनी 1 लाख रुपये से आगे निकल गई और बाद में डेढ़ लाख रुपये तक पहुंचने लगी। आज वे मछली पालन से सालाना 1 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। फुलबती बताती हैं कि बिहान से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का सपना तो था, लेकिन वह केवल सपना ही लगता था। घर की जिम्मेदारियां, सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण वे अपने बड़े बेटे की पढ़ाई तक रोकने के बारे में सोचने लगी थीं, ताकि वह घर के काम में मदद कर सके। लेकिन जब व्यवसाय से आय आने लगी, तो हालात पूरी तरह बदल गए। बिहान के अधिकारियों ने उनके घर में पहले से मौजूद तालाब को देखा और मछली पालन करने का सुझाव दिया। इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए फुलबती ने नारायणपुर जाकर 10 दिनों का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मछली पालन की आधुनिक तकनीकों, उपयुक्त मछली प्रजातियों के चयन, तालाब प्रबंधन और बाजार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। प्रशिक्षण का यह अनुभव उनके लिए बेहद उपयोगी साबित हुआ। आज फुलबती के दोनों बेटे घर से दूर रह कर पढ़ाई कर रहे हैं। उनका बड़ा बेटा रायपुर में बी.एड. की पढ़ाई कर रहा है और साथ ही कोचिंग भी ले रहा है। फुलबती गर्व से कहती हैं कि अब वे अपने बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार पढ़ाई करा पा रही हैं, जो कभी उनके लिए असंभव सा लगता था। इसके साथ ही उन्होंने अपने घर को भी बेहतर बना लिया है।

नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत चिंगेर में विकास के लिए एकजुटता का संदेश

बीजापुर। भैरमगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चिंगेर में आयोजित ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों ने विकास, शांति और आपसी एकता का स्पष्ट संदेश दिया। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने मानव श्रृंखला बनाकर यह संकल्प लिया कि गांव के समग्र विकास के लिए सभी एकजुट होकर कार्य करेंगे। ग्राम सभा में महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में हाथ डालकर बनाई गई मानव श्रृंखला के माध्यम से ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, बिजली, आवास, रोजगार और स्वच्छता जैसे मूलभूत विषयों पर मिलकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास की गति तभी तेज होती है जब समाज में

एकता और सकारात्मक सोच होती है। उन्होंने नियद नेल्लनार अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और सुझाव खुले मंच पर रखे। बैठक में पारदर्शिता, सहभागिता और आपसी विश्वास का वातावरण देखने को मिला। मानव श्रृंखला के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि हिंसा नहीं, बल्कि विकास ही स्थायी समाधान है और गांव का भविष्य शिक्षा, रोजगार और सामूहिक प्रयासों से ही सुरक्षित होगा। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने शांति, सद्भाव और विकास के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत चिंगेर में आयोजित यह ग्राम सभा और मानव श्रृंखला क्षेत्र में एकता और विकास की मिसाल बनकर सामने आई, जो अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत मानी जा रही है।

अधीक्षकों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे मासूम बच्चे

बीजापुर। आदिवासी विकास विभाग से संचालित आश्रमो की व्यवस्था बद से बत्तर होती जा रही है, उसूर ब्लॉक में संयुक्त संचालित शासकीय बालक आश्रम सारकेगुड़ा, पुसबाका एवं कोरसागुडा जहाँ अधीक्षकों की घोर लापरवाही के चलते अध्ययनरत बच्चे आश्रम की साफ सफाई करने को मजबूर है, संयुक्त रूप से संचालित तीन आश्रमों में अधीक्षक सहित लगभग 12 कर्मचारी पदस्थ होंगे पर रविवार को बच्चे के देखभाल के लिए कोई उपस्थित नहीं था उस दरम्यान आश्रम में दो बच्चे बुखार से पीड़ित थे जिन्हें समय पर उपचार भी नहीं मिला रहा है, वहीं संयुक्त आश्रम में दो दिन से बिजली गुल होने के कारण बच्चे अंधेरे में रहने को मजबूर है बिजली के गुल रहने से परिसर में पानी भी नहीं मिल रहा था जिस कारण बच्चे नहाने एवं शौच के लिए परिसर से बाहर जाने को मजबूर है। संयुक्त आश्रम में सरकेगुडा, कोरसागुडा एवं पुसबका संचालित है जहां अधीक्षकों को घोर लापरवाही के कारण बच्चों को असुविधाओ का सामना करना पड़ रहा है।

मंडल संयोजक का ढुलमुल रवैया एवं समय पर निरीक्षण नहीं करने के कारण आश्रम की व्यवस्था चरमराई मंडल संयोजक से फोन कॉल करने पर बोले अधीक्षकों को कितना समझाते पर भी नहीं समझते मतलब यह है कि मंडल संयोजक के कार्य शैली से अधीक्षक नाखुश एवं असंतुष्ट पुनः सहायक आयुक्त ने आश्रमों की व्यवस्था पर सुधार एवं संयुक्त आश्रम अधीक्षकों पर कारण। जांच कर कार्यवाही करने की। आश्वासन दिया गया।

केवटी से परवी तक सड़क निर्माण में भारी अनियमितता ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत पर सवाल

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केवटी से परवी तक 'ग्राम मंत्री ग्राम सड़क योजना' के तहत किए जा रहे सड़क रिन्यूअल कार्य में भारी अनियमितता बरते जाने का गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसके बाद ठेकेदार और विभागीय इंजीनियरों की कार्यप्रणाली पर संदेह गहरा गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क रिन्यूअल का कार्य एक ओर से पूरा किया जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर से नई बनी सड़क तुरंत उखड़ना शुरू हो गई है। यह स्थिति साफ तौर पर दर्शाती है कि निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता बेहद खराब है और कार्य मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है।

ग्राम परवी के सरपंच राजेंद्र ध्रुव ने इस मामले पर कड़ा विरोध जताते हुए बताया कि, ठेकेदार द्वारा निर्माण में भारी अनियमितता बरती जा रही है। सड़क निर्माण का कार्य पूरा नहीं

हुआ है और एक तरफ से उखड़ना शुरू हो गया है। यह घटिया काम विभाग की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है।

गुणवत्ताहीन कार्य पर पर्दा डाल रहा विभाग – सरपंच ध्रुव और अन्य ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि गुणवत्ताहीन कार्य में पर्दा डालने का काम स्वयं विभाग कर रहा है। उनके अनुसार, विभागीय इंजीनियर निर्माण कार्यों की सही ढंग से मॉनिटरिंग (पर्यवेक्षण) नहीं कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा ठेकेदार उठा रहे हैं। निर्माण स्थल पर इंजीनियरों की लगातार अनुपस्थिति या लापरवाहीपूर्ण निगरानी के कारण ठेकेदार मनमाने तरीके से काम करने के लिए स्वतंत्र हैं।

सड़क निर्माण पूरा होने से पहले ही उखड़ना शुरू, उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता अत्यंत निम्न। विभागीय इंजीनियरों द्वारा निर्माण कार्यों की लापरवाहीपूर्ण मॉनिटरिंग।विभाग पर ठेकेदार के घटिया काम को संरक्षण देने का आरोप। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस घटिया सड़क निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों, चाहे वे ठेकेदार हों या विभागीय अधिकारी, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि जल्द ही गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

किरन्दुल के शिक्षक अजय साहू द्वारा बुजुर्गों को वितरण किया गया गर्म कपड़ा

किरंदुल। किरन्दुल निवासी शिक्षक अजय साहू द्वारा ग्राम पंचायत मदाड़ी के मुल्लापारा ग्राम पंचायत टिकनपाल के मंझारपारा, गेचापारा, सोरीपारा, कांडकीपारा के 80 बुजुर्गों को गर्म कपड़े वितरण किया गया।गौरतलब हैं इस समय दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा अंचल में कड़ाके की ठंड पड़ रही हैं। इस ठंड से बचाव के लिए शिक्षक द्वारा बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों को कम्बल का वितरण किया गया। बता दें शिक्षक अजय साहू के द्वारा प्रतिवर्ष अपने स्वयं के व्यय से स्वेटर और कम्बल का वितरण किया जाता रहा हैं। इस कार्य को शिक्षक द्वारा 'प्रयास' नाम दिया गया है जो विगत 10 वर्षों से निरंतर जारी हैं।

कोंडागांव जिले के अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल एवं हिट एण्ड रन की बैठक प्रधान न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कोण्डागांव नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव रेशमा बैरागी पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गायत्री साय, डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोयाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल, डीएसपी के.पी. मरकाम, लोक अभियोजन अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी आर.एन. नाग एवं लोक निर्माण विभाग से सम्मिलित रहे। अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी- अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक में अनुशंसित बंदियों की समीक्षा की गई। विशेष रूप से ऐसे मामलों पर विचार किया गया जिसमें आरोपी अधिक समय से न्यायिक हिरासत में है जहां पर जमानत संभव है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से 68 हजार मरीजों को मिला लाभ

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना जरूरतमंद नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य शहरी स्लम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निःशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। नगर पालिका परिषद कोंडागांव के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का आयोजन कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में व मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश डे के द्वारा किया जा रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से शहर में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक लगभग 68 हजार मरीजों का इलाज किया गया है, इनमें से 62 हजार से अधिक मरीजों को निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं और 24 हजार से अधिक लोगों की लैब जांच मुफ्त में की गई है। इन शिविरों में डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स और प्रशिक्षित लैब टेक्नीशियन जैसी

सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत नागरिकों को 170 प्रकार की दवाइयां और 41 प्रकार की लैब जांच की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाती है। नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल एवं उपाध्यक्ष जस केतु उसेंडी द्वारा योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाती है। इसके अलावा नगर के सफाई मित्रों को भी प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी जाती है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को उनके घर के पास ही उच्चतम स्वास्थ्य परामर्श और मुफ्त चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस योजना के एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर जय संचेती ने बताया कि जिले में कुल दो गाड़ी है, जो केशकाल कोंडागांव और फरसगांव में चलती है। उन्होंने बताया कि एक महिला जो बाजार गई थी बाजार में जाते वक्त इनको एक सांड ने जोर से टक्कर मार दी जिससे यह जख्मी हो गए। लेकिन मोबाइल मेडिकल यूनिट पास में होने की वजह से उनका इलाज समय पर हो गया। साथ ही इसमें हर महीना स्वच्छता दीदी एवं सफाई मित्र का इलाज एवं समय-समय पर जरूरतमंद लोगों को टिटनेस लगाया जाता है। स्कूलों में भी मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा बच्चों को इलाज समय पर मिलता है। उनका स्कूल भी नहीं छूटता, वहीं मौसमी बीमारी को भी ट्रेस करने के लिए मदद मिल रहा है। साथ ही राज मिस्त्री मजदूर एवं रेजा को भी समय-समय पर इलाज मिल रहा है स्वास्थ्य जांच भी मुफ्त में हो रहा है।

जिले में 16 दिवसीय लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

कोण्डागांव। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु जन जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत 25 नवंबर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस से लेकर 10 दिसंबर मानवाधिकार दिवस तक 16-दिवसीय सक्रियता अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण संबंधी विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जिलेभर में विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई। कार्यक्रमों में बाल विवाह रोकथाम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, घरेलू

हिंसा, बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता 2023, तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत महिलाओं को प्राप्त विशेष अधिकारों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त मिशन शक्ति के अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं वन स्टॉप सेंटर, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), शक्ति सदन, सखी निवास की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पोर्टल, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत टेकापाल, मालाकोट, पलारी, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालाकोट, पुलिस लाइन कोण्डागांव, आंगनबाड़ी केंद्र बाजारपारा, लवलीहुड कॉलेज सहित विभिन्न विकासखंडों, पंचायतों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु जागरूकता अभियान के समापन कार्यक्रम में महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन, गुड टच बैड टच, पोषण आहार, महिला सशक्तिकरण, मोबाइल के दुष्परिणाम, हेल्पलाइन नंबरों और विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान गीत, कविता, रंगोली, मेहंदी और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

बस्तर संभाग में आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने विधायक विक्रम मंडावी ने विधानसभा में दिया ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

बीजापुर। बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने बस्तर संभाग में आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री के समक्ष सार्वजनिक महत्व के विषय पर विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। अपने प्रस्ताव में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा है कि एक तरफ सरकार बस्तर संभाग को नक्सली मुक्त कर शांति बहाली में लगी है। दूसरी तरफ प्रदेश के भू-माफिया बस्तर क्षेत्र के विभिन्न जिलों में आदिवासियों के जमीनों की खरीदी बिक्री के काम में व्यापक पैमाने पर लगे हुए हैं। बस्तर संभाग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं और पांचवी अनुसूची

में आता है। गरीब आदिवासियों की आजीविका के लिए उनके स्वामित्व की जमीन पैसे का लालच देकर औने पौने दाम पर खरीदी बिक्री की प्रक्रिया पिछले तीन-चार माह से व्यापक पैमाने पर शुरू हो गई है। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले नक्सल प्रभावित और अति संवेदनशील क्षेत्र हैं। इन जिलों में भूमाफिया उद्योगपतियों द्वारा बड़े स्तर पर पैसे का लालच सीधे-साधे आदिवासियों को देकर आदिवासियों की जमीनों की खरीदारी बिक्री कर लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं वहीं पैसों के लालच में आकर स्थानीय आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीनों को भूमाफियाओं को बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं यदि शासन प्रशासन द्वारा आदिवासियों की जमीन खरीदी बिक्री करने से नहीं रोका गया तो आदिवासी समाज के लिए भविष्य में आजीविका का विकराल संकट उत्पन्न होगा और आदिवासी समुदाय दर-दर भटकने के लिए मजबूर हो जाएगा। स्थानीय प्रशासन द्वारा भूमाफिया को जमीन खरीदी बिक्री में संरक्षण देने एवं बिक्री पर रोक नहीं

Samvad-46237/2

प्राईवेट स्कूलों में नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 16 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक प्रारम्भ

दंतेवाड़ा। नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत जिले के अंतर्गत संचालित निजी स्कूलों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीट, बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) परिवारों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अनाथ, 40 प्रतिशत दिव्यांग तथा एचआईवी पॉजिटिव लोगों के लिए आरक्षित रखी गयी है। जिसमें सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 फरवरी 2026 से शुरू हो जायेंगे। इसके अंतर्गत स्कूल प्रोफाइल अपडेट 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026, नोडल प्राचार्य, डीईओ द्वारा सत्यापन, 1 जनवरी से 7 फरवरी तक, छात्र पंजीयन 16 फरवरी से 31 मार्च तक, नोडल अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों की जांच 16 फरवरी से 31 मार्च तक, लॉटरी एवं आबंटन 13 अप्रैल से 17 अप्रैल तक, स्कूल दाखिला प्रक्रिया 1 मई से 30 मई तक।

संक्षिप्त समाचार

सुगम और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों को मिला बड़ा लाभ

बिलासपुर। जिले में इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह सुचारू, पारदर्शी और किसान-हितैषी साबित हो रही है। टोकन तुंहर हाथ ऐप के माध्यम से किसानों को घर बैठे ही आसानी से टोकन प्राप्त हो रहे हैं, जिससे खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़, भागदौड़ और प्रतीक्षा जैसी समस्याएँ लगभग समाप्त हो गई हैं। साथ ही बारदाना उपलब्धता, तौल, भंडारण और भुगतान की सभी प्रक्रियाएँ इस बार पहले से अधिक सुव्यवस्थित और समयबद्ध की गई हैं। सैदा धान खरीदी केंद्र पहुँचे चिचिरदा के किसान रामसाय साहू ने बताया कि वे 1 एकड़ भूमि में खेती करते हैं और इस वर्ष उनकी पैदावार अच्छी रही। उन्होंने मोबाइल से ही टोकन कटवाया और 19 क्विंटल 60 किलो धान लेकर केंद्र पहुँचे। उन्होंने कहा कि तौल प्रक्रिया पूरी तरह आसान रही और धान बिकते ही वे चिंतामुक्त हो गए। वहीं मेण्ड्रा निवासी किसान विष्णुप्रसाद वर्मा 50 क्विंटल धान लेकर केंद्र पहुँचे। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध हैं। उन्हें मिल रहा समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल उनकी आमदनी में बढ़ोतरी कर रहा है। श्री वर्मा कहते हैं कि सरकार की पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी व्यवस्था ने उनके सपनों को साकार करने में मदद की है।

आज फिर सवा 4 लाख से ज्यादा की कीमत का अवैध धान जब्त

बिलासपुर। जिले में अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन के विरूद्ध अभियान जारी है। कलेक्टर के निर्देश पर पांच स्थानों पर छापामार कार्रवाई कर 138.50 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया। जब्त किये गये धान की कीमत सवा चार लाख रूपए से ज्यादा है। संयुक्त जांच दल द्वारा कृषि उपज मंडी समिति तखतपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरौटीकापा के जितेन्द्र साहू के संस्थान से 30 क्विंटल, गोबंद के सीताराम साहू से 30 क्विंटल, ग्राम सकरा के अमर दास मानिकपुरी के संस्थान से 20 क्विंटल तथा कृषि उपज मंडी समिति जयरामनगर क्षेत्र अंतर्गत दिव्या किराना स्टोर ग्राम जुनवानी के संस्थान से 32 क्विंटल धान एवं ग्राम बिनोरी के राम जी चतुर्वेदी के संस्थान से 26.50 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया। इन संस्थानों से कुल 138.50 क्विंटल धान का अवैध स्टॉक पाये जाने पर खाद्य एवं मंडी विभाग के द्वारा मंडी अधिनियम के अंतर्गत जब्ती की कार्यवाही की गई। कलेक्टर के निर्देश पर धान खरीदी की सम्पूर्ण अवधि तक इस तरह की छापेमार कार्रवाई जारी रहेगी।

कोनी रोजगार कार्यालय में 22 को प्लेसमेंट कैम्प

बिलासपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी द्वारा 22 दिसंबर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट कैम्प सवेरे 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी में आयोजित होगा। प्लेसमेंट कैम्प में 3 निजी नियोजक कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें फील्ड स्टाफ टेली कॉलर, एकाउंटेंट, मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव सहित कुल 39 पदों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। कैम्प में 10वीं, 12वीं, स्नातक (किसी भी विषय) उत्तीर्ण एवं रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, समस्त शैक्षणिक योग्यता संबंधी अंकसूची एवं प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छायाप्रति अनिवार्य रूप से लानी होगी। साथ ही अभ्यर्थियों को रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी ई-रोजगार पोर्टल (द्वह्लश्चद्वद्दड्डह्ल.ष्द्द.द्दश1.द्वठ्ठ) अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी, बिलासपुर से प्राप्त कर सकते है।

कलेक्टर ने दिलाई ऊर्जा बचाव की शपथ स्कूली बच्चों को कराया गया ऊर्जा पार्क का भ्रमण, कॉलेजों और स्कूलों के बच्चों ने भी ली शपथ

बिलासपुर। ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 14 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में ऊर्जा संरक्षण के तहत् संकल्प अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज कलेक्टर ने श्री संजय अग्रवाल ने जिला कार्यालय में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उर्जा संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी ने शपथ लेते हुए संकल्प लिया कि हम ऊर्जा का अपव्यय रोकेंगे एवं अन्य लोगों को भी ऊर्जा अपव्यय रोकने हेतु जागरूक करेंगे। हम ऊर्जा संरक्षण हेतु ऊर्जा दक्ष विद्युत उपकरणों के उपभोग हेतु जागरूक करेंगे। हम सौर संयंत्र का उपयोग करेंगें तथा अन्य लोगों को भी उपयोग हेतु जागरूक करेंगें। हम जल का अपव्यय रोकेंगे तथा लोगों को इस हेतु जागरूक करेंगे। हम पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ों को कटने से रोकेंगे तथा वृक्षारोपण करेंगें।

सुशासन सप्ताह : प्रशासन गांव की ओर अभियान

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की तैयारी की समीक्षा

बिलासपुर। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत मंत्रालय के तत्वावधान में 19 से 25 दिसम्बर 2025 तक प्रशासन गांव की ओर अभियान का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों की साप्ताहिक टीएल बैठक में आयोजन की रूपरेखा बताते हुए इसकी तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए। अभियान का उद्देश्य जिले के विभागों की सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग से सुशासन को बढ़ावा देना है। जनपद एवं पंचायत स्तर पर इस दौरान विशेष शिविरों का आयोजन कर जनता की शिकायतों का समाधान किया जायेगा। कलेक्टर ने बैठक में विभिन्न विभागों की लंबित मामलों और राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को कामों में तेजी लाने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, डीएफओ नीरज सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में जनसुविधाओं का विस्तार करना और सरकार और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में बहुउद्देश्यीय शिविरों के माध्यम से जनसमस्याओं का निवारण, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने की व्यवस्था की जायेगी। फील्ड स्तर के अधिकारी गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे। पीएम पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन सहित विभिन्न माध्यमों से मिले जनशिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण भी इस दौरान किया जायेगा। 23 दिसम्बर को गुड गवर्नेस प्रेक्टिसेज पर जिला स्तरीय कार्यशाला भी आयोजित होगी। इसमें प्रशासन के अभिनव कार्यों, पीडीएस, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनहित से जुड़े अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी। यह अभियान प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाते हुए जनता को सुगम सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के माध्यम से प्रशासन ग्रामीण जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करेगा और योजनाओं का लाभ सभी को पहुंचाने का प्रयास करेगा। कलेक्टर ने बंद हो चुकी योजनाओं के बैंक खातों को बंद करने में ढिलाई पर शिक्षा विभाग के प्रति नाराजगी जाहिर की। शिक्षा विभाग के 77 आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा यदि तीन दिनों में कार्रवाई पूर्ण नहीं की गई तो उनका वेतन रोकने की कार्रवाई की जायेगी। मालूम हो कि लगभग 18 करोड़ की राशि इन बंद पड़े खातों में जमा है, जिसे शासन के खाते में जमा करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना के बारे में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। खाताधारी की मौत हो जाने पर उन्हें दो लाख रूपए की मदद की जाती है। शर्त ये है कि मौत के एक महीने के भीतर बैंक को सूचना देनी होती है। समीक्षा के दौरान पीएचई विभाग ने बताया कि बैगा-बिरहोर बहुल इलाकों में इस माह के अंत तक घर-घर पानी पहुंचाने का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने बैठक में कर्मचारी कल्याण से जुड़े योजनाओं की भी समीक्षा की और संवेदनशीलता के साथ इनका निराकरण करने के निर्देश दिए। कोपरा जलाशय को रामशर साईट की सूची में शामिल होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इनका भ्रमण करने का सुझाव अधिकारियों को दिया।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सकरी बटालियन में जागरूकता कार्यक्रम

बिलासपुर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मनाए जा रहे जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत 2ठ्ठस्र बटालियन सकरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने उपस्थित कैडेटों को एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक कर, इसके प्रभावी बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। जिला नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने कैडेटों को संबोधित करते हुए एड्स रोग की प्रकृति, इसके फैलने के कारण, प्रारंभिक लक्षण, जांच की प्रक्रिया तथा उपलब्ध उपचार के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआईवी/एड्स एक संक्रामक रोग है, लेकिन सही जानकारी, सुरक्षित व्यवहार और समय पर जांच एवं उपचार के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग एवं संक्रमित रक्त के माध्यम से संक्रमण फैलने के खतरों पर प्रकाश डाला तथा इससे बचाव के उपायों को विस्तार से समझाया। डॉ. बांधी ने यह भी कहा कि एड्स के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों और भेदभाव को समाप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कैडेटों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी सही जानकारी देकर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएं। कार्यक्रम में बटालियन इंचार्ज डॉ. नीरज शर्मा, एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के समन्वयक आशीष सिंह, इंचार्ज सहित बटालियन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अपोलो द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का कलेक्टर ने किया शुभारंभ.......

■ 200 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच और ली डॉक्टरी सलाह

बिलासपुर। जिला प्रशासन के सहयोग से अपोलो हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन ओल्ड कंपोजिट बिल्डिंग में किया गया। ओल्ड कंपोजिट बिल्डिंग परिसर में आयोजित शिविर का शुभारंभ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराकर किया। उन्होंने अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रखने की अपील की और कहा कि स्वस्थ रहकर ही हम अपने परिवार समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का भलीभांति निर्वहन कर सकते है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपोलो प्रबंधन के इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार भी मौजूद रहे। शिविर में 200 से अधिक लोगों की जांच की गई और विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया। शिविर स्थल में अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोफिया सुल्ताना, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ विजया लक्ष्मी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कौशले, गैस्ट्रोएंट्रोलाजी डॉ आकाश गर्ग, जनरल मेडिसीन डॉ मंदार गोकाटे विशेष रूप से मौजूद रहे। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा शिविर में लोगों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। साथ ही बीपी, शुगर, हॉर्ट रेट, खून में ऑक्सीजन की मात्रा की जांच की गई। निःशुल्क चिकित्सा शिविर का बड़ी संख्या में ओल्ड कम्पोजिट बिल्डिंग के कर्मचारियों ने लाभ उठाया।

धान बेचने किसान को अपना खसरा पोर्टल में जुड़वाना होगा

कोरबा। जिले के खरीदी केन्द्रों में धान बेचने पंजीयन कराने वाले सभी किसानों को सूचना जारी की गई है कि जिनके खसरे किसान पोर्टल में दर्ज हैं और एग्रीस्टेक पोर्टल में अपडेट फार्मर रिक्वेस्ट लंबित है, वे सभी खसरों को एग्रीस्टेक पोर्टल में जुड़वा लें। धान उपार्जन की प्रक्रिया में शामिल किसान एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत हों और एग्रीस्टेक पोर्टल में 11 अंकों का फार्मर आईडी बनाकर सभी खसरों का अंकन पूरा करें। 5 दिसंबर तक की स्थिति में आवेदन लंबित है, वे किसान खसरों को एग्रीस्टेक पोर्टल में खुद जोड़ें या संबंधित समिति के एग्रीस्टेक लॉगिन या लोक सेवा केंद्र से इसे कराएं। खसरा जोडने के लिए ऋण पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। किसानों तक जानकारी पहुंचाने कोटवारों से मुनादी, ग्राम पंचायत और समितियों में लंबित किसानों की सूची चस्पा करने और कृषक मित्रों को घर-घर सूचना देने कहा गया है। किसानों की सुविधा के लिए 20 दिसंबर तक जिले में विशेष शिविर लगेंगे। इसमें समिति प्रबंधक, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और लोक सेवा केंद्रों के वीएलई टीम खसरे एग्रीस्टेक पोर्टल में जोडने की कार्रवाई करेगी। एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आईडी नहीं बनाने वाले किसानों को यह आईडी बनवाकर 15 दिसंबर तक एकीकृत किसान पोर्टल में कैरी फॉरवर्ड कराने कहा गया है।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025 साइन लैंग्वेज डे पर विविध कार्यक्रम संपन्न.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर विशेष उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुये विशेष सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विशेष उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु आयोजित विशेष सप्ताह के तहत 15 दिसंबर को साइन लैंग्वेज डे से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, तिफरा में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात दृष्टिबाधित बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर श्री एस. एस. दुबे बिलासपुर रहे। अतिथियों का स्वागत श्री कमलेश, उपनियंत्रक ब्रेल प्रेस द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रवणबाधित विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, वहीं संयुक्त संचालक श्री टी. पी. भावे एवं श्रीमती बबीता के निर्देशन में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर श्री एस. एस. दुबे ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि भारत में साइन लैंग्वेज की शुरुआत वर्ष 1920 में हुई थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से भारतीय सांकेतिक भाषा को बढ़ावा दिया गया, जिसके फलस्वरूप आज इसे एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने शिक्षा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। साइन लैंग्वेज डे के 25 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए श्री प्रदीप शर्मा, प्रभारी अधीक्षक ने कहा कि श्रवणबाधित बच्चे सुन और बोल न पाने के बावजूद भी अध्ययन कार्य को सरलता एवं सफलता के साथ कर रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। संयुक्त संचालक श्री टी. पी. भावे ने श्रवणबाधित छात्रों के शैक्षणिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

कलेक्टर ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

■ फर्जी लोन की शिकायत पर कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज मल्हार के श्री दशरथ लाल श्रीवास ने कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत की कि एसबीआई के कृषि विकास शाखा व्यापार विहार के शाखा प्रबंधक द्वारा धोखाधड़ी कर उनके नाम पर लोन निकाल लिया गया है। कलेक्टर ने इस मामले को लीड बैंक ऑफिसर को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नगोई के सरपंच द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए गांव में हो रहे अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। सरपंच ने बताया कि हमारे ग्राम पंचायत नगोई में असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है, जिससे आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गांव में शराबियों के जमावड़ा होने से महिलाओं एवं बच्चों में भय व्यापत है। कलेक्टर ने आबकारी विभाग को मामले को सौंपते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम रसेडा, जिला जाजंगीर चांपा निवासी पायल साहू ने जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर उनकी अनुकम्पा नियुक्ति में हो रहे विलंब के बारे में बताया। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ और डीईओ को मामले की जांच कर आगे की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शहर के सुशील कुमार केंवट ने कलेक्टर से दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक को ज्ञापन प्रेषित कर कार्यवाही के निर्देश दिए। हरदी निवासी राजकुमारी ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा उन्हें नवीन राशन कार्ड जारी किया गया है। राशन कार्ड जारी होने के बाद आज दिनांक तक उन्हें राशन आबंटित नहीं किया गया। वे अत्यंत गरीब महिला है और रोजी मजदूरी कर अपना एवं अपने परिवार का पालन पोषण करती है। राशन नहीं मिल पाने के कारण वे काफी दिक्कतों का सामना कर रही है। कलेक्टर ने खाद्य नियंत्रक को मामले को सौंपा। ग्राम पंचायत नगोई के सरपंच ने कलेक्टर को ज्ञापन को सौंपते हुए क्षतिग्रस्त विद्युत खंभे एवं हाईटेंशन तार को चेंज करवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत नगोई में विद्युत पोल टूट जाने एवं हाई वोल्टेज तार की वजह से अप्रिय घटना होने की स्थिति बनी हुई है। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। बिल्हा ब्लॉक के ग्राम बोड़सरा निवासी श्री अजय कुमार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लोन दिलाने आवेदन दिया। इस मामले को लीड बैंक ऑफिसर देखेंगे। सकरी तहसील के ग्राम पंचायत परसदा निवासी श्री ब्रम्हानंद साहू ने ग्राम पंचायत परसदा के सचिव के खिलाफ शिकायत करते हुए आवेदन दिया कि वे मुख्यालय में नहीं रहते है और ग्राम पंचायत कार्यालय भी नहीं आते है जिससे योजनाओं का फायदा ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

सड़क दुर्घटना में कूचल गया था चेहरा, सिम्स में हुआ ईलाज, 10 प्लेट्स और 35 स्क्रू से हड्डी को फिर से जोड़ा गया

बिलासपुर। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 19 वर्षीय एक युवक नाम नंदकुमार पटेल निवासी ग्राम मुरली तहसील पाली जिला कोरबा को ईलाज के लिए पिछले दिनों सिम्स अस्पताल लाया गया जांच में यह बात सामने आई की युवक के दाय तरफके चेहरे की सारी हड्डियां चकनाचूर हो गई थी। चेहरा पूरी तरह से छत-विछत हो गया था मरीज के दाहिने गाल ऑख के नीचे की हड्डी दाहिना ऊपर का जबड़ा दाहिना नीचे का जबड़ा और आखे की नीचे की हड्डी चूर-चूर हो गई थी। अतः मरीज के ईलाज के लिए डॉक्टर ने जांच के लिए चेहरे का सीटी स्केन कराया सीटी स्केन में जांच से पता चला हड्डियां चकनाचूर हो गई है इस प्रकार की टूटे हुए हड्डी को जोड़ना एक चुनौतीपूर्ण सर्जरी होता है। इसलिए आवश्यक सभी खून जांच व सीटी स्केन करने के बाद दिनांक 11.12.2025 को आपरेशन करने का निर्णय लिया गया क्योंकि दुर्घटना के दौरान अत्याधिक रक्त स्तत्व हो जाने के कारण आपरेशन के दौरान भी खून चढ़ाहया गया। यह आपरेशन अत्याधिक जटिल होने के कारण 6 से 7 घंटा चला इस आपरेशन की खास बात यह है कि मरीज के चेहरे की सुंदरता एवं जवानी को ध्यान में रखते हुए सिर में एक चीरा लगाया गया जिसे हेमीकोरोनल इनसीजन कहते है।

भोजन करते समय इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में हर काम के नियम और निश्चित दिशा तय की गई है। भोजन के समय हमसे भूलवश या अज्ञानता में कुछ ऐसी गलतियाँ हा जाती हैं जो हमारे जीवन पर नकारात्मक असर डालती हैं। कुछ गलतियां हमारे जीवन पर नकारात्मक असर डालती है। आइए डालते हैं एक नजर उन सावधानियों पर जो हमें उस वक्त रखनी चाहिए।

दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके न बैठे

भोजन के वक्त दिशा का जरूर ध्यान रखें नहीं तो इससे स्वास्थ बिगड़ सकता है। वास्तु नियम के अनुसार दक्षिण दिशा में मुंह करके भोजन नहीं करना चाहिए। दक्षिण दिशा को यम की दिशा माना जाता है। इस दिशा में भोजन करने से आयु घटती है। वहीं पश्चिमी दिशा में मुंह करके भोजन करने से गंभीर रोग घेर लेते हैं।

बिस्तर पर बैठकर न करें भोजन

कभी भी बिस्तर पर बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। इससे घर में लक्ष्मी का अभाव होता है। व्यक्ति पर खर्च और कर्ज बढ़ जाता है।

उत्तर व पूर्व दिशा में बैठकर करें भोजन

प्राङ्मुखोदङ्मुखो वापि व वसिष्ठ स्मृति में प्राङ्मुखन्नानि भुञ्जीत – इसका अर्थ है उत्तर और पूर्व दिशा में बैठकर भोजन करना अति उत्तम होता है। यह दोनों दिशाएँ देव दिशा मानी जाती हैं। इस दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। व्यक्ति के तनाव खत्म होते हैं। पूर्व दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से पाचन शक्ति अच्छी रहती है। बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

मिट्टी के बर्तनों का करें उपयोग

शास्त्रों में मिट्टी का बर्तन बहुत पवित्र माना गया है। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने और खाने से पूरे 100 प्रतिशत पोषक तत्व मिलते हैं। स्वास्थ के साथ सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

जूठन न छोड़ें

थाली में उतना ही खाना लेना चाहिए जितना खा सके। भोजन को जूठा छोडने पर अन्न का अपमान होता है। इससे धन और अन्न की कमी होने लगती है। व्यक्ति कंगाली की राह पर आ जाता है।

उपरोक्त दी गई जानकारियों को लेकर समाचार पत्र यह दावा नहीं करता है कि यह पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

चेहरे पर आएगी निखार
इन घरेलू चीजों का करें इस्तेमाल

महिलाएँ और युवतियाँ स्वयं को सुन्दर और अपने चेहरे को बेदाग रखने के लिए कई तरह की क्रीम का इस्तेमाल करती हैं। वक्ती तौर पर तो इन क्रीम से चेहरे पर थोड़ा निखार जरूर आ जाता है लेकिन यह स्थायी नहीं होता है। यदि आप अपने चेहरे पर स्थायी निखार पाना चाहती हैं तो एक नजर अपने घर की रसोई पर जरूर डाल लें। रसोई घर में मौजूद कई घरेलू चीजें चेहरे पर निखार लाने में मददगार साबित हो सकती हैं। वैसे भी सदियों से घरेलू उपचार के जरिए कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं को ठीक किया जाता रहा है। हो सकता है प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल असर दिखाने में थोड़ा वक्त ले लेकिन इनसे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। आइए डालते हैं एक नजर रसोई में उपलब्ध ऐसी ही कुछ चीजों पर...

आलू और टमाटर

आंखों के नीचे के काले घेरे हटाने में आलू और टमाटर खास मददगार होते हैं। वहीं इनके नियमित इस्तेमाल से चोट के दाग-धब्बे भी हल्के पडने लगते हैं।

बेकिंग सोडा

अगर आप दाग-धब्बों को एक हफ्ते के अंदर हटाना चाहते हैं तो एक चम्मच बेकिंग सोडा में तीन चम्मच पानी मिलाइए। इस मिश्रण को दाग पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें।

खीरा

खीरा न सिर्फ आपकी त्वचा से दाग हल्के करता है बल्कि आपके चेहरे के निखार को भी बढ़ा देता है।

शहद

दाग हटाने के लिए शहद का इस्तेमाल पुराने समय से होता आ रहा है। शहद, ओटमील और पानी को एक साथ मिलाकर इसका पैक बना लें और इसे चोट के धब्बों पर लगाएं।

एलोवेरा

दाग-धब्बों को दूर करने के लिए एलोवेरा जेल जादू की तरह काम करता है। रात को इस जेल को लगा कर सोएं और सुबह चेहरा धो लें। परिणाम जल्द ही दिखने लगेंगे।

प्याज

प्याज को टुकड़ों में काटकर इसका जूस निकाल लें। रुई की मदद से इस जूस को दागों पर लगाएं। दिन में आप इस प्रक्रिया को कई बार दोहरा सकते हैं। कुछ समय में अच्छे परिणाम दिखेंगे।

बादाम खाने से फायदा ही नहीं नुकसान भी होता है

बादाम एक लोकप्रिय सूखा मेवा है। बादाम में एंटीऑक्सीडेंट, हेल्दी फैट, विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं। प्रसिद्ध कहावत है कि कमजोर दिमाग वालों को बादाम खाने चाहिए। इसे खाने से दिमाग तेज और हड्डियां मजबूत होती है. बादाम खाने के कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी हैं। कई तरह के व्यंजनों में बादाम का इस्तेमाल किया जाता है। बादाम को खाने के बारे में कहा जाता है कि बेहतरीन स्वास्थ्य लाभ के लिए भीगे हुए बादाम का खाना चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। भीगे हुए बादाम कच्चे की तुलना में अधिक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। अधिकांश घरों में महिलाएं अपने बच्चों को सर्दी के दिनों में भीगे हुए बादाम खाने को देती हैं। बादाम का सेवन भिगोकर ही क्यों किया जाता है, सूखे बादाम क्यों नहीं। बुजुंगों का कहना है कि छिलके सहित बादाम खाना उतना फायदेमंद नहीं होता, जितना बगैर छिलके वाले बादाम खाने से होता है। इसका प्रमुख कारण है छिलकों का आपके पोषण में रूकावट पैदा करना। बादाम के छिलके में टैनीन नाम का एक तत्व मौजूद होता है जो कि इन पोषत तत्वों के अवशोषण को रोक लेता है। अगर आप सूखे बादाम का सेवन करते हैं, तो छिलकों को निकालना संभव नहीं होता, जबकि बादाम को पानी में भिगो देने पर इससे छिलका आसानी से निकल जाता है। ऐसे में आपको बादाम का पूरा पोषण मिल पाता है, जो छिलकों के रहते नहीं मिल पाता। यही कारण है कि कच्चे यानी सूखे बादाम की जगह भीगे हुए बादाम खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

गुणकारी अंगूर के हैं कई लाभ

फलों में अंगूर सर्वोत्तम माना जाता है। यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी है। बहुत से ऐसे रोग हैं जिसमें रोगी को कोई पदार्थ नहीं दिया जाता है। उसमें भी अंगूर दिया जा सकता है। अंगूर में जल, शर्करा, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, फ्लोराइड, पोटेशियम सल्फेट, मैगनेशियम और लौह तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। अंगूर ह्रदय की दुर्बलता को दूर करने के लिए बहुत गुणकारी है । ह्रदय रोगी को नियमित अंगूर खाने चाहिए। अंगूर के सेवन से फेफ डों मे जमा कफ निकल जाता है, इससे खांसी में भी आराम आता है। अंगूर जी मिचलाना, घबराहट, चक्कर आने वाली बीमारियों में भी लाभदायक है। पका हुआ अंगूर तासीर में ठंडा, मीठा और दस्तावर होता है। यह आंखों के लिए हितकर होता है। अंगूर वीर्यवर्धक, रक्त साफ करने वाला, रक्त बढाने वाला तथा तरावट देने वाला फल है। श्वास रोग व वायु रोगों में भी अंगूर का प्रयोग हितकर है। नकसीर एवं पेशाब में होने वाली रूकावट में भी हितकर है।

अंगूर का शरबत लो अमृत तुल्य है। शरीर के किसी भी भाग से रक्त स्त्राव होने पर अंगूर के एक गिलास ज्यूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने पर रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है जिसकी कि रक्तस्त्राव के समय क्षति हुई है। अंगूर का गूदा ग्लूकोज व शर्करा युक्त होता है। विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होने से अंगूर का सेवन भूख बढाता है, पाचन शक्ति ठीक रखता है, आंखों, बालों एवं त्वचा को चमकदार बनाता है। हार्ट-अटैक से बचने के लिए बैंगनी काले अंगूर का रस एस्प्रिन की गोली के समान कारगर है। एस्प्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। बैंगनी काले अंगूर के रस में फ्लोवोनाइड्स नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है। पोटेशियम की कमी से बाल बहुत टूटते हैं। दांत हिलने लगते हैं, त्वचा ढीली व निस्तेज हो जाती है, जोडों में दर्द व जकडन होने लगती है। इन सभी रोगों को अंगूर दूर रखता है।

इन आसान उपायों से कर सकती हैं अपने बालों को स्ट्रेट

वर्तमान समय में युवा लड़कियों में बालों को स्ट्रेट करने का दौर चल रहा है। हर लडक़ी अपने बालों को स्ट्रेट करना चाहती है। लेकिन पार्लर जाकर अपने बालों की चमक खो देती है। इसका कारण यह है कि पार्लर में बालों को रासायनिक पदार्थों के जरिये धोया जाता है, जिसके चलते बाल खराब हो जाते हैं। यदि आप अपने बालों को सीधा करना चाहती हैं तो आज हम आपको बालों को बिना पार्लर जाए बालों को सीधा करने के कुछ आसान से उपाय बता रहे हैं-

1. दूध बालों को सीधा करने के लिए एक बहुत अच्छा उपाय है। बालों में दूध के साथ शहद मिलाकर लगाया जाए तो बालों को अच्छा पोषण मिलता है। इसके साथ ही इससे रूखे और कर्ली बालों को व्यवस्थित करने में आसानी हो जाती है और बाल सीधे होने लगते हैं।

2. बालों को सीधा करने में नारियल के तेल का उपयोग किया जा सकता है। ताजा नारियल को घिसकर नींबू का रस डालकर मसाज करने से भी बालों की चमक बनी रहती है।

3. एलोवेरा हमारे बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। आधा कप गरम तेल में एलोवेरा जैल को मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को अच्छी तरह से अपने बालों में लगाए। कुछ देर इसे लगा कर रखे यह कंडीशनर का काम करता है।

4. दो या तीन अंडे ले इन अन्डो का सफेद वाला भाग निकालकर एक कप में डाले और इसमें दो बड़े चम्मच दही मिला दे और इस पेस्ट को बालों में लगा कर 30 मिनट तक रखें। इसके बाद बाल धो ले। इस मिश्रण से बालों को सीधा करने में मदद मिलती है।

5. आधे गिलास दूध में बराबर मात्रा में पानी मिलाये। इस मिश्रण को बालो में लगाये और करीब आधे घंटे तक लगा कर रखें, फिर साफ पानी से बालों को धो ले। ये मिश्रण आपके बालों को सीधा करने में मदद करेगा।

दिखना है आकर्षक तो बालों में करें
फंकी कलर्स का प्रयोग

वर्तमान में महिलाओं में अपने बालों को अलग-अलग रंगों से रंगने की होड़ से मची हुई है। हर युवा और मध्यम आयु की युवतियाँ/महिलाएँ स्वयं को आकर्षक और खूबसूरत दिखाने के लिए अपने बालों में अलग-अलग प्रकार के कलर लगवाती रहती हैं। कुछ लोगों के लिए बालों को कलर करना शौक होता है तो कुछ के लिए यह सफेद बालों को छुपाने की मजबूरी में उठाया गया कदम होता है। वैसे भी देखा जाए तो इन दिनों फंकी और ब्राइट कलर्स का इस्तेमाल बतौर स्टाइल स्टेटमेंट करने का चलन बढ़ा है। क्रिएटिव हेयरस्टाइल के लिए इस्तेमाल होने वाले इन कलर्स से आम तौर पर बालों को हाइलाइट किया जाता है।

फंकी कलर्स के लिए इन बातों का रखें ध्यान

1. अगर आप चाहती हैं कि आपके बाल आकर्षक होने के साथ-साथ शालीन भी दिखें तो दो फंकी कलर्स का इस्तेमाल करें।
2. बॉब, रेजर्ड लुक, असिमिट्रिकल कट जैसे मॉडर्न हेयरकट्स ट्राय करें, इससे बाल और बेहतर दिखेंगे।
3. आउट कलर्स और टॉनिंग की मदद से अपने फंकी कलर्ड बालों को स्टाइल करें।
4. अपने बालों क` कुछ स्ट्रैंड्स को फंकी कलर्स से रंगकर लुक को शानदार बनाएं।

बरतनी चाहिए सावधानियाँ

अगर आपने भी अपने बालों को कलर करने का फैसला किया है तो कुछ बेसिक रूल्स को फॉलो करके अपने फंकी कलर को लंबे समय तक टिकाए रख सकती हैं।

कलर प्रोटेक्टिंग हेयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करें

हमेशा कलर प्रोटेक्टिंग शैम्पू, मास्क और सीरम का इस्तेमाल करें। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कलर लंबे समय तक आपके बालों में लॉक रहेगा। कलर जल्दी फीका नहीं पड़ेगा। किसी ब्रैंड के कलर प्रोटेक्टिंग हेयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करें।

हल्के गुनगुने पानी से धोएं

फंकी कलर्ड बालों की अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। हेयर कलर केमिकल्स के चलते आपके बाल संवेदनशील हो जाते हैं। बालों को धोते समय गर्म या बहुत गर्म पानी से न धोएं।

स्टाइलिंग टूल्स अत्यधिक इस्तेमाल न करें

बेहतर परिणाम के लिए और अपने फंकी बालों को लंबे समय तक हाइलाइटेड बनाए रखने क` लिए यह सलाह दी जाती है कि बालों पर बहुत अत्यधिक गर्मी पैदा करने वाले स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल न करें, जैसे कि इस्तरी और टॉनिंग मशीन।

शिमला मिर्च के सेहतभरे लाभ

शिमला मिर्च, मिर्च की एक प्रजाति है जिसका प्रयोग सलाद, सब्जी की तरह किया जाता है। अंग्रेजी में इसे कैप्सिकम जो इसका वंश भी है या पैपर भी कहा जाता है। बाजार में आसानी से शिमला मिर्च लाल, हरी, पीले रंग की मिलती है। चाहे शिमला मिर्च किसी भी कलर की हो लेकिन उसमें विटामिन सी, विटामिन ए और बीटा कैरोटीन भरा होता है। इसके अंदर बिल्कुल भी कैलोरी नहीं होती इसलिये यह खराब कोलेस्ट्रॉल को नहीं बढाती है। शिमला मिर्च में कई पोषक तत्व, विटामिन, विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, मिनरल्स और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं।

लाल और हरी शिमला मिर्च विटामिन सी का बेहतरीन स्त्रोत हैं। सलाद बनाते समय इसे भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। शिमला मिर्च का सबसे महत्वपूर्ण सेहत के लिए फायदे, जैसे दर्द से राहत दिलाती है। इसमें पाया जाने वाला तत्व कैपसाईसिन, स्पाइनल कॉर्ड के लिए त्वचा सेभेजे जाने वाले दर्द के सकेतों को खत्म कर देती है जिससे दर्द से निजात मिलती है।

पालक की कढ़ी
पोषक तत्वों से भरपूर होती है

सामग्री की आवश्यकता

1. सामग्री 400 ग्राम पालक
2. 100 ग्राम बेसन,
3. 100 ग्राम दही
4. एक चम्मच तेल
5. एक से दो चुटकी हींग
6. एक चौथाई छोटा चम्मच जीरा
7. एक चौथाई छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
8. स्वादानुसार नमक
9. बारीक कटा हुआ एक चम्मच हरा धनिया

बनाने का तरीका

पालक की कढ़ी बनाने के लिए आप सबसे पहले पालक के डंठल तोडक़र अच्छे तरीके से साफ कर लें। पालक के पत्तों को कम से कम दो-तीन बार पानी से धोने के बाद इसका पानी निकालें। जब पालक का पानी अच्छी तरह से निकल जाए तब पालक के पत्तों को बारीक काटें। इसके बाद इसमें दही को अच्छी तरह से मथ लें और फिर बेसन मिलाकर घोल तैयार कर लें। ध्यान रखें कि आपको दही और बेसन को इस तरह से मिलाना है कि इस गोल में कोई गुठली ना पड़े। अब इसमें जरूरत के हिसाब से पानी को मिलायें। घोल बनाने के बाद गैस या चूल्हे पर कढ़ाई में तेल को गरम करें। जब तेल गरम हो जाए तो उसमें हींग और जीरा डालें। जीरे को भूरे रंग का होते ही हल्दी डालें। अब मसाले को दो-तीन बार अच्छी तरह से चलाएं और अब कटा हुआ पालक इस मसाले में डाल कर चमचे से इसे घुमाएँ। इसके बाद पहले से बनाए हुए घोल को इसमें डालकर आवश्यकतानुसार पानी डालें। अब इसको ढककर धीमी आँच पर 10 मिनट तक उबालें। कढ़ी के लिए पकोड़ी बनाने के लिए आप अच्छी तरह से फेटें हुए बेसन में बारीक कटा हुआ पालक मिला लें और इसकी पकौड़ी बनाकर अलग रख लें। दही और बेसन का घोल जब अच्छी तरह से पक जाए तब गैस बंद करके और पकौड़ी डालकर कढ़ाई को ढककर रख दे। कड़ी को स्वादिष्ट बनाने के लिए आप कड़ी में करी पत्ता और सरसों के दाने को भी डाल सकते हैं। तैयार है आपकी पालक की कढ़ी। आप इस कढ़ी को चावल, रोटी या सिर्फ कढ़ी को आसानी से पी व खा सकते हैं।

क्यों हो जाते हैं होंठ काले?

कई बार रोजमर्रा से जुड़ी कुछ चीजें आपके गुलाबी होंठ पाने के सपने को तोडक़र उन्हें रूखा और काला बना सकती हैं। कुछ महिलाएँ तो लिपस्टिक लगाकर अपने होंठो का कालापन छिपा लेती हैं लेकिन उनका क्या जिन्हें लिपस्टिक लगाना पसंद न हो? या फिर अगर आप बिना लिपिस्टक लगाए नैचुरल लुक में रहना चाहें तो यह कैसे मुमकिन हो सकता है। आखिर होंठ काले क्यों हो जाते हैं। आइए डालते हैं एक नजर उन कारणों पर-

डेड स्किन

होंठों पर जमा डेड स्किन की वजह से कई बार न केवल होठों पर झुर्रियाँ पड़ जाती हैं बल्कि होंठों की त्वचा तक खराब हो जाती है। ऐसे में नियमित रूप से डेड स्किन को हटाना बेहद जरूरी है।

दवाईयाँ

कई ऐसी दवाईयाँ होती हैं जिनके सेवन से होंठ काले पड़ सकते हैं। इन दवाइयों में दर्द निवारक गोलियां, एंटीबायोटिक दवाइयां शामिल हैं। ऐसे में इन दवाओं के साइड इफेक्ट होठों को काला बना सकते हैं।

लिपस्टिक से एलर्जी

लिपस्टिक में मौजूद केमिकल होंठों को काला बनाकर एलर्जी का भी कारण बन सकता है। इतना ही नहीं इस तरह की एलर्जी से होठों पर हाइपरपिगमेंटेशन की समस्या भी पैदा हो सकती है, जिससे होंठ काले नजर आ सकते हैं। ऐसे में हमेशा होंठों पर लगाने के लिए अच्छे ब्रांड की लिपस्टिक खरीदें।

धूम्रपान

धूम्रपान न सिर्फ फेफड़ों को नुकसान पहुँचाता है बल्कि ये आदत होंठों का रंग भी काला कर देती है।

पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी के कारण भी होठों के रंग में बदलाव आ जाता है। सर्दियों में व्यक्ति उतना पानी नहीं पी पाता जितना उसके शरीर को जरूरत होती है। ऐसे में सर्दियों में काले होठों की समस्या का सामना करते हैं ।

कपड़े धोते वक्त अपनाएं ये ट्रिक्स
दूर होगी कपड़ों की बदबू

बेकिंग सोडा

बहुत बार कपड़ों में बदबू गंदगी की वजह से भी आती है। ऐसे में कपड़े धोते वक्त बेकिंग सोडा इस्तेमाल किया जा सकता है। 1 चम्मच बेकिंग सोडा आपके कपड़ों से ना सिर्फ गंदगी दूर करेगा बल्कि उन्हें बदबू से भी बचाएगा।

पुदीने के पत्ते

घर के बहुत से कामों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला पुदीना कपड़ों को भी खुशबूदार बना सकता है। आपको बस कपड़े धोते वक्त पानी में 1 कप पुदीने के पत्ते डालने हैं। इससे कपड़ों की बदबू खत्म हो जाएगी। साथ ही कपड़ों के धुलने के बाद भी आप अलमारी में पुदीने के पत्ते रख सकते हैं। इससे ना ही कीड़े आते हैं और ना ही बदबू।

परफ्यूम का करें इस्तेमाल

आमतौर पर सभी के घर में कोई ना कोई परफ्यूम होता ही है। कपड़ों को खुशबूदार बनाने के लिए भी परफ्यूम का इस्तेमाल किया जा सकता है। वाशिंग मशीन में कपड़े डालने के बाद आप उसमें थोड़ा सा परफ्यूम डाल दें। परफ्यूम कितना डालना है यह बात आपके परफ्यूम की गंध और कपड़ों की संख्या पर निर्भर करती है। इस ट्रिक की मदद से सारे कपड़ों में से धीमी-धीमी महक आती है।

कॉफी बींस

कॉफी बींस भी आपके कपड़ों को महका सकती है। आपको बस कॉफी बींस को मशीन में डालना है। 4 से 5 कॉफी बींस आपके पूरे कपड़ों को महका देगी। हालांकि कॉफी डालते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि आप जरूरत से ज्यादा कॉफी ना डालें।

खुशबूदार साबुन

कुछ साबुन की गंध बहुत कमाल की होती है। ऐसे में कपड़ों की बदबू खत्म करने के लिए आप खुशबूदार साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। कपड़ों को खुशबूदार बनाने के लिए आपको बस मशीन में साबुन का एक छोटा सा टुकड़ा डालना है। आमतौर पर लोग कम से कम 10 मिनट तक कपड़ों को मशीन में जरूर घुमाते हैं। इतने समय में पूरा साबुन पानी में घुल जाएगा। इस ट्रिक को अपनाने के बाद आप जब भी कपड़े यूज करेंगे आपको महकती हुई खुशबू जरूर आएगी।

घासीदास बाबा का संदेश प्रासंगिक : विधायक दीपेश साहू

नगर पंचायत कुसमी में सतनाम संदेश रथ यात्रा का भव्य समापन, समाजिक समरसता का दिखा अदभुत उदाहरण

बेमेतरा। नगर पंचायत कुसमी में आयोजित विकासखंड स्तरीय नव दिवसीय सतनाम संदेश रथ यात्रा का समापन एवं सम्मान समारोह श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नौ दिनों तक चली यह सतनाम संदेश रथ यात्रा गांव-गांव जाकर सदुरु बाबा गुरु घासीदास के मानवतावादी विचारों और मंखे-मंखे एक समान के अमर संदेश को जन-जन तक पहुंचाती रही। समापन अवसर पर सतनाम पंथ के मूल सिद्धांतों–सत्य, समानता, सेवा और अहिंसा–को आत्मसात करने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास का संदेश केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का आधार है। उन्होंने कहा कि मंखे-मंखे एक समान का विचार आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है, जब समाज को एकता, समरसता और

समान अधिकारों की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। विधायक साहू ने कहा कि सतनाम संदेश रथ यात्रा जैसे आयोजन समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कारों और मूल्यों से जोड़ते हैं। उन्होंने आयोजकों एवं सतनामी समाज को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करते हैं। समारोह के दौरान सतनामी समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को उनके उल्लेखनीय शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में सुष्मिता टोंड्रे (ग्राम हेमाबंध) डिप्टी कलेक्टर, संदीप बघेल (ग्राम केशडबरी) डीएसपी नेहा मारकण्डेय (ग्राम मोहभट्ठा) लेखा सेवा अधिकारी,उमा बारले सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (हिंदी), जिन्हें प्रधानमंत्री द्वारा देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। विधायक दीपेश साहू ने सभी सम्मानित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि इनकी सफलता समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और यह बाबा घासीदास जी के विचारों पर चलने का परिणाम है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोककला मंच ग्राम हरिनछपरा (जिला कबीरधाम) द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। जय सतनाम पंथी पार्टी एवं आकर्षक झांकियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। पूरे नगर पंचायत कुसमी में भक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में अवधेश सिंह चंदेल पूर्व विधायक, मोहन जांगड़े सामाजिक कार्यकर्ता अध्यक्षता चंद्रप्रकाश साहू नगर पंचायत अध्यक्ष कुसमी, जगदीश कुरें, जगमोहन गेंड्रे, मानक सिंह चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों को शासकीय पोस्ट ऑफिस का कराया शैक्षणिक भ्रमण

कवर्धा। बैगलेस डे गतिविधि के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय उड़ियाकला के विद्यार्थियों को शासकीय पोस्ट ऑफिस कवर्धा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस विजिट का उददेश्य विद्यार्थियों को किताबों से इतर वास्तविक जीवन कौशल, गतिविधि-आधारित शिक्षा एवं व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की डाक टिकटों, स्पीड पोस्ट काउंटर, रजिस्ट्रेशन सेक्शन, डाक छंटाई कक्ष, बचत बैंक विंग, पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस, फिलेटली विभाग, तथा ई-मेल, पार्सल प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन किया। पोस्ट मास्टर रमेश टंडन ने विद्यार्थियों को रोचक व उपयोगी जानकारी दी। पोस्ट मास्टर ने पोस्ट ऑफिस की कार्यप्रणाली, डाक सामग्री की प्रक्रिया, पार्सल वितरण प्रणाली तथा वित्तीय सेवाओं के संचालन के बारे में, डाक विभाग कैसे देशभर में संचार, बैंकिंग और सरकारी योजनाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है बारे में जानकारी दी। भ्रमण के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण राजेश चौरसिया (कला शिक्षक) एवं ऋतु (योग शिक्षिका) भी साथ रहे। विद्यालय के प्राचार्य एन के लांजेवार ने कहा कि इस विजिट का उददेश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया से जोड़ना, आनंदपूर्ण शिक्षा और रचनात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करना है। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी साबित हुआ। इसके साथ विद्यार्थियों को आज एचडीएफसी बैंक, कवर्धा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बैंक के कस्टमर सर्विस सेक्शन, कैश काउंटर, एटीएम सेवाएँ, डिजिटल बैंकिंग, लोन और क्रेडिट सेवाएँ, खाता खोलने की प्रक्रिया, तथा साइबर सुरक्षा और सुरक्षित लेनदेन से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

महतारी वंदन योजना से निशा साहू को हर महीने मिल रहा आर्थिक सहारा

प्रतिमाह एक हज़ार मिलने से दैनिक जीवन में बढ़ाई सहजता और आत्मविश्वास

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना अब ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी में वास्तविक बदलाव ला रही है। सरकार की प्रतिबद्धता और लगातार प्रयासों का परिणाम है कि आज प्रदेशभर में लाखों महिलाएँ हर महीने सीधे अपने बैंक खाते में 1 हजार रुपए प्राप्त कर रही हैं। यह योजना महिलाओं को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार की एक बड़ी और प्रभावी पहल साबित हुई है। कबीरधाम जिले के ग्राम मझगांव की निशा साहू इस योजना की लाभार्थी हैं। वे बताती हैं कि उनके खाते में हर महीने नियमित रूप से 1 हजार रुपए की राशि जमा होती है। अब तक उन्हें 21 किस्तों में कुल 21 हजार रुपए का लाभ मिल चुका है। निशा साहू बताती है कि पहले तो एक रुपया भी अपने पास नहीं होता था। हर छोटी-

छोटे घरेलू खर्च, स्कूल की जरूरतें-सब कुछ अब वे बिना झिझक और बड़ी जरूरत के लिए घर के मुखिया पर ही निर्भर रहना पड़ता था। तब समझ आता था कि एक रुपये का भी कितना महत्व होता है। लेकिन अब हर महीने सरकार बिना किसी परेशानी के पैसा खाते में भेज रही है। इससे मैं रोजमर्रा की कई ज़रूरतें खुद पूरी कर पा रही हूँ। वे बताती हैं कि बढ़ती महंगाई के बीच 1 हजार रुपए की राशि भी कई जरूरी चीजें खरीदने में मददगार होती है। बच्चों के लिए खाने-पीने का सामान, बिना किसी से पैसे मांगे खुद कर पा रही हैं। महतारी वंदन योजना ने न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि आत्मविश्वास के स्तर को भी पहले से ज्यादा मजबूत बनाया है।
आज वे अपने घर की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं और स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करती हैं। निशा साहू राज्य शासन की इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि यह योजना महिलाओं के आत्मबल को बढ़ाने वाली और परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने वाली साबित हो रही है। महतारी वंदन योजना सच में प्रदेश की महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता की किरण बनकर आई है। एक समय था जब हर रुपये के लिए सोचना पड़ता था, अब वही महिलाएँ आत्मविश्वास के साथ अपने घर की ज़रूरतें पूरी कर रही हैं।

नेवनारा मे 22 दिसम्बर को जनसुनवाई के विरोध को लेकर पर्यावरण बचाओ सर्वदलीय की हुई बैठक

बेमेतरा। प्रस्तावित उद्योग मैसर्स अरहम इस्पात लिमिटेड ग्राम नेवनारा मे 22 दिसम्बर को पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु होने वाली जनसुनवाई के विरोध को लेकर बेरला ब्लॉक पर्यावरण बचाओ सर्वदलीय समिति की बैठक का आयोजन रविवार को ग्राम नेवनारा दुर्गा मंच के समक्ष रखा गया था। जहां 22 गाँव किसान पंचायत जनकल्याण समिति के वर्षों तक अध्यक्ष रहे। समाज सेवक मेहत्तर राम साहू ने कहा कि वर्तमान मे सरकार की गलत नीतियों के कारण किसानों को लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान है इसे आद्यौगिक क्षेत्र बनाकर प्रशासन किसानों के साथ लगातार अन्याय कर रही है और क्षेत्र के किसान इसका पुरजोर करेंगे। 22 गाँव किसान पंचायत जनकल्याण समिति वर्तमान अध्यक्ष भूलूराम वर्मा ने कहा हमे प्रदूषण से भरे किसी उद्योग की कतई आवश्यकता नही है। हम सबने एक साथ रहकर बीते दिनों ग्राम कोहड़िया मे हुए जनसुनवाई मे योजनाबद्ध तरिके से मैसर्स ब्रजेश स्टील प्लांट का विरोध किया था। जिसके परिणामस्वरूप वहाँ बेमेतरा जिला उद्योग विभाग को हार मिली और क्षेत्र के किसानों की जीत हुई। वहीं इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत नेवनारा के वर्तमान सरपंच लोकेश साहू के द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा वर्तमान मे प्रस्तावित उद्योग अरहम इस्पात प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को किसी प्रकार की कोई एनओसी नही

दी गयी है। उन्होंने जनसुनवाई मे समस्त ग्रामवासी नेवनारा के साथ साथ क्षेत्र के आसपास के कई गाँवों के पंच, सरपंच, जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख गरीब किसान मजदूर आदि के द्वारा अरहम इसपात कम्पनी को लेकर विरोध दर्ज कराने कि अपील की। वहीं ग्राम पंचायत पिरदा सरपंच संजू परगनिहा ने अपने ग्राम नेवनारा को अपना पड़ोसी गाँव बताते हुए कहा कि ग्राम पंचायत पिरदा के द्वारा अरहम इस्पात कम्पनी का भरपूर विरोध किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के नाम पर बेमेतरा जिला के किसी भी ब्लॉक मे आए दिन कभी यहाँ तो कभी वहाँ जनसुनवाई का आदेश प्रशासन द्वारा ग्रामीणों के द्वारा कोई प्रस्ताव नही दिए जाने के बाद भी दे दिया जाता है। इस तरह के प्रयोजन का उचित इलाज आवश्यक है ताकि हमारे कृषि प्रधान क्षेत्र मे प्रदूषित उद्योग लगाने के नाम पर कभी कोई जनसुनवाई न हो। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी बेरला ब्लॉक अध्यक्ष पूरेन्द्र साहू ने कहा कि वर्तमान प्रशासन पूर्ण रूप से जल जंगल जमीन की हत्या करने मे लगी हुई है जो कि बेमेतरा जिला जैसे कृषि प्रधान क्षेत्र के लिए सर्वथा अन्याय है और हम लोकतान्त्रिक ढंग से इसका विरोध दर्ज करेंगे। तो वहीं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी कार्यकर्ता गजेंद्र निषाद ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान मै इस कम्पनी का विरोध करता हूँ हमे केवल इतना कहकर विरोध दर्ज कराना है ताकि अधिक से अधिक लोग विरोध दर्ज कर सकें। जनपद पंचायत बेरला सरपंच संघ उपाध्यक्ष कमल बघेल ने कहा कि ग्राम पंचायत कोहड़िया मे पर्यावरण विभाग अधिकारी के द्वारा जनसुनवाई के पश्चात विरोध के प्रमाण पत्र तथा जनसुनवाई के कागजात के रूप मे बिना हस्ताक्षर किए कागज ग्राम पंचायत कोहड़िया सरपंच रोहित शिवारे को दीया जा रहा था। जिसके पश्चात ग्रामीण महिलाओं के द्वारा पर्यावरण विभाग अधिकारी के कार को रोका गया तब जाकर उन्होंने हस्ताक्षर सहित कागजात सरपंच को दीया अन्यथा जनसुनवाई तक धैर्य बनाए रखने वाली समस्त क्षेत्रवासियों को प्रशासन मुर्ख बनाने मे लगी हई थी। ग्राम रांका पूर्व जनपद सदस्य सिद्दीक खान ने कहा हमे अधिक से अधिक संख्या मे सिमित शब्दों मे शांतिपूर्ण रूप से विरोध दर्ज करना है ताकि अधिक संख्या मे क्षेत्रवासियों के द्वारा विरोध दर्ज किया जा सके। अजीताभ मिश्रा ने बताया कि शरदा और पथर्रा मे जनसुनवाई मे भयंकर विरोध होने के पश्चात भी कारखाना प्रारम्भ होने की स्थिति मे है। यह प्रशासन कि पूर्णतः मिलीभगत है हमे चौकन्ना रहना है और विरोध दर्ज करने के साथ साथ प्रत्येक घंटे मे कितने व्यक्ति कारखाने खुलने के पक्ष मे अथवा विरोध मे अपनी बात रखते है इस बात की जानकारी लेते रहना है। ग्राम पंचायत गाड़ामोर पूर्व सरपंच दिगंबर परगनिहा ने उद्योग विभाग की नीतियों को पर्यावरण एवं किसान विरोधी बताते हुए ग्राम कोहड़िया मे हुए जनसुनवाई का जिक्र कर समस्त किसानों से विरोध करने की अपील की। ग्राम पंचायत नेवनारा मे हुए इस बैठक मे डॉ. शिरीष शर्मा, ग्राम पंचायत खमतराई सरपंच प्रहलाद सार्थी, ग्राम पंचायत उफरा पूर्व उपसरपंच यादेश्वर परगनिहा, विकास कश्यप, भोजेंद्र वर्मा, किशोर दुबे, सीताराम साहू, गायत्री वर्मा, राधिका साहू, परानु साहू, हरिशचन्द्र साहू, वीरसिंह साहू, रामकुमार पाल, विजय निषाद, धनंजय निषाद, आनंद निषाद, रामदास पुराने आदि भारी संख्या मे मौजूद रहे।

फाईलेरिया की रोकथाम के लिए रक्त परीक्षण किया

दल्लीराजहरा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फाईलेरिया की रोकथाम के लिए दल्ली राजहरा नगर पालिका क्षेत्र वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में रात्रिकालीन रक्त परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने वार्डवासीयो को फाईलेरिया के विषय में जानकारी दिया, फाईलेरिया मच्छर के काटने से होता है, 8 से 10 वर्ष के बाद इसका लक्षण उभरकर आता है, बुखार,पैरों में सूजन, अण्डकोष में सूजन, स्तन में सूजन, जैसे लक्षण होता है। फाईलेरिया से संक्रमित व्यक्ति को मच्छर ने काटा और वही मच्छर स्वास्थ्य व्यक्ति को काटेगा तो वह संक्रमित हो सकता है। बचाव के लिए आसपास पानी का जमाव न होने दे, आसपास को स्वच्छ रखें, मच्छर दानी का उपयोग करें, सामूहिक दवा सेवन अभियान के समय दवाई का सेवन करें। नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा खून की जांच अवश्य कराएं, स्वास्थ्य योजनाओ सेवा का लाभ लें। पूर्व पार्षद चन्द्रप्रकाश सिन्हा, पार्षद तरूण साहू, स्वास्थ्य कर्मचारीगण एवं मितानीनगण का सहयोग रहा।

बालोद में ट्रक और कार की भिडंत, दो युवकों की मौत

बालोद। बालोद जिले में सड़क किनारे खड़े ट्रक और कार की भिडंत में दो लोगों की मौत और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा डौंडी नगर स्थित शासकीय कॉलेज के सामने उस समय हुआ, जब लौह अयस्क से भरे ट्रक सड़क किनारे खड़ा था और सामने से आ रही कार की उससे भिडंत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लौह अयस्क से भरा ट्रक भानुप्रतापपुर की ओर से रायपुर जा रहा था, जबकि कार में सवार चार युवक दल्लीराजहरा से डौंडी की ओर आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सड़क किनारे खड़े एक खराब ट्रक के कारण सामने से आ रहे वाहनों को निकलने में परेशानी हुई, इसी दौरान ट्रक और कार के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। डौंडी पुलिस के अनुसार कार में आगे बैठे आशु नायक (24) और आकाश बोरकर (23) की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे दो अन्य युवकों को गंभीर चोटें आयी और उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आशु नायक की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं आकाश बोरकर ड्राइविंग सीट में बुरी तरह फंसा हुआ था। डौंडी पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार का दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला और तत्काल दल्लीराजहरा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डौंडी थाना प्रभारी उमा ठाकुर ने बताया कि दोनों मृतकों की पहचान हो चुकी है और परिजनों को सूचना दी जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

धान खरीदी व्यवस्था से किसानों में बढ़ा उत्साह सरल प्रक्रिया से मिल रहा सीधा लाभ

पिता के निधन के बाद खेती की जिम्मेदारी संभालते फिरतू पात्रे को मिला सरकार का संबल

कवर्धा। कबीरधाम जिले में धान खरीदी से किसानों में उत्साह देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल से पहले की तुलना में बेहतर और सुगम खरीदी व्यवस्था के कारण किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं। पंजीयन से लेकर तौल और भुगतान तक की प्रक्रिया सरल होने से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। यही व्यवस्था ग्राम खैरवार के किसान फिरतू पात्रे के लिए सहारा बन गया है। पिता के स्वर्गवास के बाद फिरतू पात्रे ने स्वयं खेती की जिम्मेदारी संभाली। उनके पास कुल 5.50 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे धान के साथ-साथ कुछ क्षेत्र में गन्ने की खेती भी करते हैं। इस वर्ष उन्होंने अपनी खेती से कुल 84.80 क्विंटल धान का विक्रय किया है। फिरतू पात्रे बताते हैं कि उनके पिता का निधन लगभग एक माह पूर्व हुआ था। अंतिम संस्कार और दशगात्र जैसे पारिवारिक संस्कारों में काफी खर्च

आया, जिसके लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ा। भावुक होते हुए वे बताते हैं कि पिता के साथ ही वे वर्षों से खेती का कार्य करते थे और उनकी स्मृतियाँ हमेशा उनके साथ रहेंगी। उन्होंने अपने पिता का अंतिम संस्कार पूरे सम्मान और परंपरा के साथ किया। वे आगे कहते हैं कि पिता द्वारा दी गई जमीन और शासन द्वारा धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का उचित मूल्य आज उनके लिए सबसे बड़ा सहारा बना है। धान विक्रय से प्राप्त राशि से अब उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक चिंता नहीं है और लिया गया कर्ज भी चुकाया जा रहा है। फिरतू पात्रे का पंजीयन धान खरीदी केंद्र ग्राम कोको में है, जहाँ बिना किसी परेशानी के उनका पूरा 84.80 क्विंटल धान खरीदा गया। खरीदी केंद्र में पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को सहज वातावरण में अपनी फसल बेचने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हित में निरंतर बेहतर कार्य कर रही है। खरीदी व्यवस्था से लेकर भुगतान प्रणाली तक में बड़ा सुधार हुआ है। धान विक्रय के बाद राशि शीघ्रता से सीधे बैंक खाते में पहुँच जाती है, जिससे किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिल रही है।

जिला पंचायत सदस्य ने किया आन्दू प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण

बेमेतरा। जिला पंचायत सदस्य बालकुमारी ध्रुव द्वारा सामाजिक अंकेक्षण अंतर्गत शालाओं के निरीक्षण के तारतम्य में जिला पंचायत सदस्य ने शासकीय प्राथमिक शाला आंदू एवं पूर्व माध्यमिक शाला आंदू का निरीक्षण किया जहां जिला पंचायत सदस्य ने स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को देखा स्वयं बच्चों से सवाल जवाब कर स्कूल से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा अलग-अलग विद्यालयों का निरीक्षण किया जिसमें प्राथमिक शाला आंदू का निरीक्षण में जिला पंचायत सदस्य ने बच्चों के साथ संवाद भी किया और बच्चों के द्वारा उनके प्रश्नों के जवाब देने से जिला पंचायत सदस्य ने संतोष जाहिर किया जिला पंचायत सदस्य बाल कुमारी ने बच्चों से मध्यान भोजन के संबंध में जानकारी ली उन्होंने पूछा कि प्रतिदिन उन्हें दाल सब्जी दिया जाता है कि नहीं साथी साथ सप्ताह में खीर पुडी मध्यान भोजन एजेंसी द्वारा प्रदान किया जाता है कि नहीं और किसी प्रकार से विद्यालय से संबंधित कोई परेशानी हो तो बच्चे उनसे बता सकते हैं जिस पर बच्चों ने किसी प्रकार की समस्या नहीं होना बताया शिक्षकों से बच्चों के प्रति गंभीरता पूर्वक ध्यान देने की बात कही जिला पंचायत सदस्य ने शिक्षक आशीष वर्मा द्वारा बनाई गई बागवानी कभी निरीक्षण किया हरे भरे पौधों को देखकर जिला पंचायत सदस्य ने प्रसन्नता व्यक्त की उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों की सभी स्कूलों में आवश्यकता है इस दौरान जिला पंचायत सदस्य के साथ-साथ संकुल समन्वयक राजेश खल्ला टंडन पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक जय नारायण ठाकुर शिक्षक अनीश दास मानिकपुरी लक्ष्मण साहू प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक मुकेश भुआर्य आशीष वर्मा एवं वीरेंद्र बंछोर उपस्थित रहे।

विजय कप खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

बेमेतरा। नगर में आयोजित विजय कप खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा रहे। उन्होंने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे

आयोजनों से खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे जोश और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उदघाटन समारोह में आयोजक समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी व बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया इस अवसर पर समाज सेवी राजेश शर्मा जी विकास तम्बोली गौरव साहू लक्की साहू आकिब मालकानी योगेश वर्मा गिरीश गबेल वैभव तिवारी सहित बड़ी संख्या मे दर्शक उपस्थिति रहे।

पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ का 20 दिसंबर को बेमेतरा आगमन

बेमेतरा। पत्रकार एवं प्रखर राष्ट्रवादी प्रवक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ का 20 दिसंबर को बेमेतरा आगमन हो रहा है इस संबंध जानकारी देते हुए डाक्टर बसुबंधु दीवान ने बताया कि उनके पिता पं.जीवनधर दीवान के प्रथम पुण्य तिथि 20 दिसंबर दिन शनिवार को दोपहर 01.00 बजे से 04.00 बजे तक वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रखर राष्ट्रवादी प्रवक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ का भारत का अमृतकाल अवसर एवं चुनौतियां विषयांतर्गत व्याख्यान का आयोजन द किंग्स महल बेमेतरा के सभागार में आयोजित किया गया है। कुलश्रेष्ठ 19.12.2025 को दोपहर 4:00 बजे से 21.12.2025 दोपहर तक उक्त होटल में ही प्रवास पर रहेगें।

छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष : संघर्ष, संकल्प और समग्र विकास की स्वर्णिम यात्रा

कवर्धा। 1 नवंबर 2000 को भारत के मानचित्र पर छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में उभरा। मध्यप्रदेश से पृथक होकर बने इस राज्य ने 25 वर्षों की यात्रा में न केवल अपनी पहचान गढ़ी, बल्कि विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के कई नए प्रतिमान भी स्थापित किए। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर, आदिवासी संस्कृति से समृद्ध और कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ की यह यात्रा चुनौतियों से शुरू होकर आत्मविश्वास और उपलब्धियों तक पहुँची है।

राज्य गठन और प्रारंभिक चुनौतियाँ

राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ के सामने अनेक समस्याएँ थीं, कमजोर अधोसंरचना, सीमित औद्योगिक आधार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की चुनौती। ग्रामीण और आदिवासी बहुल अंचलों में सड़क, बिजली,

पानी और प्रशासनिक पहुंच का अभाव स्पष्ट था। ऐसे में शुरुआती वर्षों में सरकार का प्रमुख लक्ष्य मजबूत प्रशासनिक ढांचा खड़ा करना और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार रहा। नई राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) की परिकल्पना, जिलों और तहसीलों का पुनर्गठन, पंचायत और नगरीय निकायों को सशक्त बनाना, इन प्रयासों ने विकास की नींव रखी। विकेंद्रीकरण के माध्यम से योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया गया।

कृषि : छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़

छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। पिछले 25 वर्षों में सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार, उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण और किसान हितैषी नीतियों ने खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, डिजिटल पंजीकरण और समय पर भुगतान जैसी व्यवस्थाओं ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा दी। इससे न केवल किसान की आय बढ़ी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली। छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था देशभर में एक मॉडल के रूप में देखी जाती है।

आदिवासी विकास और सामाजिक न्याय

छत्तीसगढ़ की आत्मा उसके आदिवासी समाज में बसती है। राज्य गठन के बाद अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास किए गए। वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टों का वितरण, छात्रावास और छात्रवृत्ति योजनाएं, स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम-इन सबने सामाजिक न्याय को मजबूत किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका ऐतिहासिक रही है। लाखों ग्रामीण महिलाएं आज आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं और ग्रामीण विकास की धुरी बन चुकी हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य में परिवर्तन

शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय, कॉलेज, आईटीआई और विश्वविद्यालय स्थापित हुए। नवोदय, एकलव्य और आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों ने ग्रामीण और वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर दिया। स्वास्थ्य सेवाओं में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों तक सुविधाओं का विस्तार हुआ। मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन और आपातकालीन सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

औद्योगिक विकास और अधोसंरचना

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ ने औद्योगिक क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस्पात, बिजली, सीमेंट और एल्युमिनियम उद्योगों ने राज्य की आर्थिक ताकत बढ़ाई।
साथ ही एमएसएमई, फूड प्रोसेसिंग और आईटी जैसे नए क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन मिला। सड़क, रेलवे, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार ने विकास को गति दी। गांव-गांव तक बिजली और सड़क पहुंचने से शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार को नया आधार मिला।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com